पीएम ने दी गांधी जयंति पर बापू को श्रद्धांजलि

लोकशक्ति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

कांग्रेस चीफमल्लिकार्जुन खड़गे की तबीयत बिगड़ी, बेंगलुरु के अस्पताल में भर्ती

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 276 | रायपुर | शुक्रवार 03 अक्टूबर 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

आरएसएस के शताब्दी विजयादशमी समारोह

स्वदेशी-आत्मनिर्भरता पर जोर

नई दिल्ली एजेंसी

आरएसएस की स्थापना के सौ साल पूरे हो गए. इस अवसर पर गुरुवार 2 अक्टूबर को नागपुर में आरएसएस ने अपना शताब्दी विजयादशमी उत्सव मनाया. जिसमें संघ प्रमुख मोहन भागवत के अलावा पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद भी उपस्थित रहे. पूर्व राष्ट्रपति इस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए. इस अवसर पर संघ प्रमुख मोहन भागतव ने वहां उपस्थित संघ के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि. अंतरराष्ट्रीय संबंध भारत के लिए जरूरी हैं लेकिन उन्होंने कहा कि ये हमारे लिए मजबूरी नहीं हैं. संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अपने संबोधन में पहलगाम हमले से लेकर नक्सलियों तक का जिक्र किया. मोहन भागवत ने कहा कि पहलगाम हमले में धर्म पूछकर भारतीयों को मारा गया. उन्होंने कहा कि सरकार और सेना ने पूरी तैयारी के साथ इस हमले का जवाब दिया। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने विजयादशमी 2025 पर अमेरिकी टैरिफनीति की आलोचना करते हुए स्वदेशी उत्पादों और आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने की अपील की। विजयादशमी समारोह को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पहलगाम हमले से लेकर नक्सलियों तक का जिक्र किया. मोहन भागवत ने कहा कि पहलगाम हमले में धर्म पूछकर भारतीयों को मारा गया. आरएसएस प्रमुख ने कहा कि, आज महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की भी जयंती है. उन्होंने कहा कि भक्ति समर्पण और देश सेवा के ये बड़े उदाहरण है. उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र कैसा होना चाहिए इसके आदर्श उदाहरण हमें मार्गदर्शन करते हैं. संघ प्रमुख ने कहा कि आज की परिस्थिति पर अगर में विचार करते हैं तो हमें पता चलता है कि ये परिस्थिति भी हमसे इसी प्रकार के जीवन की अपेक्षा कर रही है।

देशभर में रावण दहन, बुराई पर हुई अच्छाई की जीत

ऑपरेशन सिंदूर, आतंकवाद रूपी रावण पर मानवता की विजय का प्रतीक है : राष्ट्रपति

एजेंसी

दिल्ली में लवकुश रामलीला में रावण दहन हुआ।

जम्मू में दशहरा के पर रावण दहन किया गया।

दशहरा आज पूरे उत्साह और भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है। यह पर्व न केवल बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, बल्कि धर्म, सकारात्मक ऊर्जा और पारिवारिक समृद्धि का संदेश भी देता है। आज पूरे देश में रावण दहन का आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही लोग शस्त्र पूजन, रामायण पाठ, सुंदरकांड और दीप प्रज्वलन जैसे धार्मिक अनुष्ठान भी करते हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार को विजयदशमी के मौके पर दिल्ली में श्री धार्मिक लीला कमेटी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस दौरान राष्ट्रपति ने सांकेतिक तौर पर तीर चलाकर रावण दहन किया। इसके साथ ही राष्ट्रपति ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश भी दे डाला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारतीय सेना द्वारा चलाया गया ऑपरेशन सिंदूर, आतंकवाद रूपी रावण पर मानवता की विजय का प्रतीक है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, 'मानवता अच्छाई की जीत से फलती-फूलती है। जब आतंकवाद रूपी दानव मानव जाति पर आक्रमण करता है, तो उसका सफाया करना आवश्यक हो जाता है। भारतीय सेना द्वारा चलाया गया ऑपरेशन सिंदूर, आतंकवाद रूपी रावण पर मानवता की विजय का प्रतीक है। इसके लिए हम भारत माता की रक्षा करने वाले प्रत्येक योद्धा के समक्ष नतमस्तक हैं और उन्हें धन्यवाद देते हैं...।'

इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'विजयादशमी के पावन अवसर पर, मैं सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक, विजयादशमी का त्योहार हमें सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।'

भारतीय शास्त्रीय संगीत के सूर्य का अस्त : पंडित छन्नूलाल मिश्र का निधन

मोदी ने जताया शोक ; बनारस में होगा अंतिम संस्कार

एजेंसी।

भारतीय शास्त्रीय संगीत के एक महान स्तंभ, पद्म भूषण से सम्मानित सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पंडित छन्नूलाल मिश्र का गुरुवार सुबह 4.15 बजे निधन हो गया है। उनकी बेटी नम्रता मिश्रा ने यह जानकारी साझा करते हुए बताया कि उनका अंतिम संस्कार बनारस में किया जाएगा। पंडित छन्नूलाल मिश्र का निधन पूरे कला और संगीत समुदाय में शोक की लहर फैला गया है। उनकी गायकी की मधुरता, शुद्धता और भावपूर्ण प्रस्तुति ने उन्हें एक अद्वितीय स्थान दिलाया था। बनारस घराने के इस दिग्गज कलाकार ने अपनी कला से अनगिनत श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया और भारतीय शास्त्रीय संगीत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ को कर हस्तांतरण अंतर्गत दी 3,462 करोड़ रुपये की स्वीकृति

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री के प्रति किया आभार व्यक्त

रायपुर, लोकशक्ति।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ राज्य के लिए कर हस्तांतरण अंतर्गत 3,462 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान करने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी के प्रति हार्दिक आभार प्रकट किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नवरात्रि एवं दशहरा जैसे पावन अवसर पर केंद्र सरकार द्वारा दिया गया यह आबंटन छत्तीसगढ़ की जनता के लिए वास्तव में एक अनमोल उपहार है। यह राशि राज्य की वित्तीय संसाधनों को और अधिक सुदृढ़ करेगी, विकास परियोजनाओं को गति प्रदान करेगी तथा लोककल्याणकारी योजनाओं को नई ऊर्जा देगी। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार छत्तीसगढ़ को प्रगति और समृद्धि की नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए सतत प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि इस सहयोग से प्रदेशवासियों का जीवन और अधिक खुशहाल एवं सुरक्षित बनेगा।

रक्षा मंत्री की पाक को कड़ी चेतावनी, बोले- दुस्साहस किया तो इतिहास और भूगोल बदल देंगे

राजनाथ ने L-70 एयर डिफेंस गन की पूजा की:ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी ड्रोन मार गिराए थे; एक मिनट में 300 गोले दागती है

नई दिल्ली. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान ने सर क्रीक इलाके में कोई भी हिमाकत की तो उसे ऐसा करारा जवाब मिलेगा कि इतिहास और भूगोल दोनों बदल जाएंगे. उन्होंने कहा कि 1965 की जंग में भारत की सेना ने लाहौर तक पहुंचने का सामर्थ्य दिखाया था. आज 2025 में पाकिस्तान को याद रखना चाहिए कि कराची का एक रास्ता क्रीक से होकर गुजरता है. रक्षा मंत्री ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने लेह से लेकर सर क्रीक के इस इलाके तक भारत के डिफेंस सिस्टम को भेदने की नाकाम कोशिश की, जबकि भारत की सेनाओं ने अपनी जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तानी एयर डिफेंस सिस्टम को पूरी तरह एक्सपोज कर दिया.

गुरुवार को विजयदशमी के अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सेना के जवानों के बीच भुज एयरबेस पर मौजूद रहे. यहां उन्होंने शस्त्र पूजा की. इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दुनिया को यह संदेश दे दिया गया है कि भारत की सेनाएं जब चाहें, जहां चाहें और जैसे भी चाहें पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचा सकती हैं.

रक्षा मंत्री ने कहा कि अपने सामर्थ्य के बावजूद हमने संयम का परिचय दिया, क्योंकि हमारी सैन्य कार्रवाई आतंकवाद के विरोध में थी. इसका विस्तार करके जंग छेडना ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य नहीं था. उन्होंने कहा, मुझे इस बात की खुशी है कि भारतीय सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर के सभी सैन्य लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त किया है. मगर आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी है. रक्षा मंत्री ने कहा कि आजादी के 78 साल बीत जाने के बावजूद भी सर क्रीक इलाके में सीमा को लेकर एक विवाद खड़ा किया जाता है. भारत ने कई बार बातचीत के रास्ते इसका समाधान करने का प्रयास किया है, मगर पाकिस्तान की नीयत में ही खोट है, उसकी नीयत साफ नहीं है।

प्रकाश पर्व शर्तों के साथ सिख जत्थे को पाकिस्तान जाने की इजाजत

एजेंसी। भारत सरकार ने गुरु नानक जयंती से पहले एक महत्वपूर्ण फैसले में सिख तीर्थयात्रियों को पाकिस्तान जाने की सशर्त अनुमति दी है। यह निर्णय 1974 के द्विपक्षीय समझौते के तहत आया है, जिसमें राज्य सरकारों की सिफारिशों पर विदेश और गृह मंत्रालय की अंतिम मंजूरी के बाद ही चुनिंदा जत्थों को यात्रा की अनुमति मिलेगी। भारत सरकार ने सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव की जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले समारोहों के लिए सिख तीर्थयात्रियों के कुछ समूहों को पाकिस्तान जाने की अनुमति दे दी है। यह यात्रा भारत और पाकिस्तान के बीच 1974 के द्विपक्षीय समझौते के तहत होगी, जो सीमा पार कुछ धार्मिक स्थलों की धार्मिक यात्रा की अनुमति देता है।

भारत-ईएफटीए के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट लागू, 15 साल में 100 अरब डॉलर निवेश

एजेंसी ।

भारत और यूरोप के चार प्रमुख देशों–स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन–के समूह यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बीच हुआ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) 1 अक्टूबर से लागू हो गया है. यह भारत का इन देशों के साथ पहला समझौता है. इस समझौते के तहत भारत को अगले 15 सालों में 100 अरब डॉलर (करीब 8.86 लाख करोड़ रुपये) का निवेश मिलने की उम्मीद है. इससे देश में लगभग 10 लाख नई नौकरियों के अवसर पैदा होंगे. ईएफटीए ने भारत के 99.6 प्रतिशत निर्यात (92 प्रतिशत टैरिफ लाइनों) पर शुल्क छूट दी है. वहीं, भारत ने 82.7 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर रियायतें दी हैं, हालांकि फार्मा, मेडिकल डिवाइस, डेयरी, प्रोसेस्ड फूड, सोया, कोल और कुछ कृषि उत्पादों को सुरक्षा प्रदान की गई है.

गोल्ड पर कोई बदलाव नहीं किया गया है, क्योंकि भारत का ईएफटीए से 80 प्रतिशत से अधिक आयात सोने का होता है. समझौते से आईटी, शिक्षा, बिजनेस और ऑडियो-विजुअल सेवाओं में नए अवसर खुलेंगे. भारतीय पेशेवरों को नर्सिंग, चार्टर्ड अकाउंटेंसी और आर्किटेक्चर जैसे क्षेत्रों में भी फायदा होगा. केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस समझौते को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह भारत की विदेशी व्यापार नीति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

देश | आरएसएस की शताब्दी वर्ष पर मोदी ने लिखा लेख

'संघ की 100 वर्षों की यात्रा त्याग, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की मिसाल'

एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह में हिस्सा लिया। समारोह को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने संघ की 100 वर्षों की यात्रा को त्याग, निःस्वार्थ सेवा और राष्ट्र निर्माण की अद्भुत मिसाल बताया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि आरएसएस के शताब्दी समारोह का हिस्सा बनकर अत्यंत गौरवान्वित अनुभव कर रहा हूं। अपने गठन के बाद से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राष्ट्र निर्माण का विराट उद्देश्य लेकर चल रहा है प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अपने गठन के बाद से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राष्ट्र निर्माण का विराट उद्देश्य लेकर चल रहा है। संघ ने व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का रास्ता चुना। इस रास्ते पर सतत चलने के लिए नित्य और नियमित चलने वाली शाखा के रूप में कार्य पद्धति को चुना। डॉ. हेडगेवार जानते थे कि राष्ट्र तभी सशक्त होगा, जब हर व्यक्ति में राष्ट्र के प्रति दायित्व का बोध जागृत होगा उन्होंने कहा कि डॉ. हेडगेवार जानते थे कि हमारा राष्ट्र तभी सशक्त होगा, जब हर व्यक्ति के भीतर राष्ट्र के प्रति दायित्व का बोध जागृत होगा। हमारा राष्ट्र तभी ऊंचा उठेगा, जब भारत का हर नागरिक राष्ट्र के लिए जीना सीखेगा। इसलिए वे व्यक्ति निर्माण में निरंतर जुड़े रहे। उनका तरीका अलग था। हमने बार-बार सुना है कि डॉ. हेडगेवार जी कहते थे कि जैसा है, वैसा लेना है। जैसा चाहिए, वैसा बनाना है। डॉ. हेडगेवार बहुत ही सामान्य लोगों को चुनते थे और देश को समर्पित स्वयंसेवक तैयार करते थे उदाहरण देते हुए पीएम मोदी ने कहा, ÷लोग संग्रह का उनका यह तरीका अगर समझना है तो हम कुम्हार को याद करते हैं। जैसे कुम्हार ईंट पकाता है तो जमीन की सामान्य-सी मिट्टी से शुरू करता है। वह मिट्टी लाता है और उस पर मेहनत करता है। उसे आकार देकर तपाता है। खुद भी तपता है और मिट्टी को भी तपाता है। फिर उन ईंटों को इकट्ठा करके भव्य इमारत बनाता है। ऐसे ही डॉ. हेडगेवार बहुत ही सामान्य लोगों को चुनते थे। फिर उन्हें सिखाते थे, विजन देते थे और उन्हें गढ़ते थे। इस तरह वे देश को समर्पित स्वयंसेवक तैयार करते थे।÷

व्यक्ति निर्माण की यह सुंदर प्रक्रिया आज भी हम संघ की शाखाओं में देखते हैं

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि संघ के बारे में कहा जाता है कि इसमें सामान्य लोग मिलकर असामान्य अभूतपूर्व कार्य करते हैं। व्यक्ति निर्माण की यह सुंदर प्रक्रिया आज भी हम संघ की शाखाओं में देखते हैं।

दशहरा केवल रावण दहन का पर्व नहीं, बल्कि जीवन का संदेश है : राज्यपाल श्री डेका

राम ने युद्ध में जीत हासिल इसीलिए की क्योंकि वे सत्य के साथ थे: मुख्यमंत्री

विजयादशमी उत्सव में शामिल हुए राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री

रायपुर, लोकशक्ति

राजधानी रायपुर के डब्ल्यू.आर.एस. कॉलोनी के विशाल मैदान में इस वर्ष भी परंपरा और आस्था के साथ भव्य दशहरा उत्सव का आयोजन किया गया। 55 वर्षों से लगातार आयोजित हो रहा यह उत्सव इस बार और भी ऐतिहासिक रहा, जिसमें राज्यपाल श्री रमेन डेका, राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय विशेष रूप से शामिल हुए। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राज्यपाल श्री रमेन डेका ने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ आज नक्सलवाद से बाहर निकलते हुए शांति और विकास की ओर अग्रसर है। प्रदेश की जीडीपी वृद्धि और देश को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में जनता की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अंतिम व्यक्ति का उत्थान ही वास्तविक विकास है और यही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की परिकल्पना भी थी। राज्यपाल ने विजयादशमी का संदेश स्पष्ट करते हुए कहा कि यह पर्व केवल रावण दहन का नहीं, बल्कि जीवन का संदेश है। रावण चाहे कितना भी बलवान क्यों न रहा हो, उसके अहंकार का अंत हुआ और जीत सत्य की हुई। बुराई कितनी भी बड़ी क्यों न हो, अच्छाई हमेशा विजयी होती है। उन्होंने कहा कि हमें केवल मैदान में रावण का पुतला नहीं जलाना चाहिए, बल्कि अपने भीतर के रावण काम, क्रोध, लोभ, ईर्ष्या और घमंड–को भी समाप्त करना होगा। यही सही अर्थों में दशहरा पर्व का पालन होगा। गांधी जयंती का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि दशहरा हमें बुराई का अंत करने की शिक्षा देता है और गांधी जयंती हमें सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। जब ये दोनों विचार साथ आते हैं तो समाज में प्रेम, भाईचारा और शांति कायम होती है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भगवान श्रीराम, माता सीता और सनातन धर्म की जयकार के साथ सभा को विजयादशमी की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि डब्ल्यू.आर.एस.कालोनी दशहरा उत्सव समिति इस आयोजन को भव्य रूप से संपन्न करती आ रही है और यह उत्सव अब ऐतिहासिक स्वरूप ले चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रावण के पास मेघनाद और कुंभकरण जैसे शक्तिशाली योद्धा थे, जबकि श्रीराम के साथ साधारण वानर सेना थी। इसके बावजूद विजय श्रीराम की हुई क्योंकि वे सत्य के साथ थे। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। स्वागत भाषण विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने और आभार प्रदर्शन आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री जी. स्वामी ने किया। समारोह में 103 फीट ऊँचे रावण के पुतले का दहन इस आयोजन का मुख्य आकर्षण रहा। रंगीन आतिशबाजी और भव्य प्रस्तुति देखने हजारों लोगों की भीड़ मैदान में उमड़ी। इस अवसर पर अनेक जनप्रतिनिधि, सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह के अंत में अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। समिति की सदस्य श्रीमती सरस्वती मिश्रा ने प्रथम महिला रानी डेका काकोटी को विशेष स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

भाजपा तिलई मंडल मे सेवा पखवाड़ा के विभिन्न गतिविधियां सम्पन्न

संवाददाता।

राजनांदगांव।भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर भारतीय जानता पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशानुसार जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत के आदेशानुसार और मंडल अध्यक्ष परदेशी सोनबोईर जी के नेतृत्व में पूरे मंडल में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक चलाये जाने वाले सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत आज अठवाँ, नव्वा, दसवाँ कार्यक्रम जो है संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुरुवात माँ भारती साथ ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ श्याम प्रसाद मुखर्जी जी की चैलचित्र में दीप प्रज्वलित कर हार माला अर्पित कर प्रारम्भ किया गया, तत्पश्चात मुख्य अतिथियों का स्वागत गमछा हार माला पहनकर किया गया।

मंडल अध्यक्ष परदेशी सोनबोईर जी ने मंच संचलन करते हुये बताया की देश के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा पखवाड़ा का आयोजन पूरे देश में किया जा रहा है जिसके अंतर्गत आज हमने भी कार्यक्रम का आयोजन किये है जो इस प्रकार रहा1. प्रबुद्ध वर्ग संवाद एवं सम्मान कार्यक्रम को मंडल क्षेत्र से आये सभी जातीयों से उपस्थित बुजुर्ग सामाजिक व्यक्तियों का सम्मान भगवा गमछा पहनकर किया गया लगभग 250 से अधिक सामाजिक व्यक्तियों को सम्मान किया गया। 2. प्रधानमंत्री मोदी जी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी जन्म से लेकर प्रधानमंत्री रहते कार्यकाल को विस्तार से फ्लेक्स बैनर के माध्यम से लोगो को दिखया गया।* 3. लोकल फ़ार वोकल के बारे में भी विस्तार से बताया गया, स्वदेशी अपनाने लोगो को प्रेरित किया गया साथ ही स्वदेशी संकल्प पत्र भी भरवाया गया।* मुख्य अतिथि के रूप में पधारे माननीय खुबचंद पारख जी ने भी विस्तार से मोदी जी के व्यक्तित्व के बारे में बताते हुये कहा की नरेंद्र मोदी जी प्रधानमंत्री है चाहते तो अपना जन्मदिन टीवी, पेपर सोशल मीडिया में विभिन्न प्रखर के खर्चों प्रचार प्रसार के माध्यम से मना सकते थे लेकिन नहीं उन्होंने ये सब करने से मना कर दिया और कहा जन्मदिन मनाना है तो सेवा के मंध्यम से मनाओ स्वास्थ्य शिविर लगाओ, पेंड लगाओ, खेल करवाओ, दिव्यांग लोगो को दिव्यांग उपकरण दो, रक्तदान शिविर करने, चित्रकला करवाओ आदि प्रकार से मनाने कहा और आज पूरे देश में सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने इस भव्य आयोजन के लिए मंडल अध्यक्ष परदेशी सोनबोईर जी को बधाई दिया ऐसा आयोजन 250 लोगो की भीड़ भोजन व्यवस्था सहित बहुत ही शानदार आयोजन संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित रहे माननीय श्री खुबचंद पारख , जिला पंचायत सभापति श्रीमती शीला टाकेश सिन्हा , परदेशी सोनबोईर तिलई मंडल अध्यक्ष , श्रीमति ललिता साहू जनपद सदस्य, श्रीमति मंजू चंदेल जनपद सदस्य, राकेश साहू महामंत्री तिलई मंडल, यशवंत वर्मा महामंत्री तिलई मंडल, शेखर यदु , टाकेश सिन्हा, राजेश्वरी साहू, डीगेंद्र सिन्हा, हरिचंद सिन्हा, पूनम देवागंन , श्री गोपी साहू , महेश यदु , रामकुमार वर्मा , दिनेश ठाकुर , परमानंद सिन्हा, जितेंद्र द्विवेदी, डी डी साहू, ब्रिलियंट साहू सूर्यकांत भंडारी , मिलाप यदु मोहन साहू जी, दुर्जन देवांगन, पंकज वर्मा, ईश्वर साहू, माहेश्वरी साहू, संगीता साहू, सुनंदा क्षत्री, शारदा साहू, उमाशंकर साहू, हेमंत लहरे , सन्नी साहू, डोमर साहू, मालिख़ाम कोसरे , गिरवर साहू, शशिकला बंजारे, नंदनी सेवता, कमल वर्मा,वेदव्यास साहू,गणेश साहू,अशोक सिंहा,रवि साहू,राजकुमार देवांगन, रिखी सेन, महेश सेन आदि कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

शोक संतप्त परिवार से मिले पूर्व सांसद अभिषेक

राजनांदगांव।

भाजपा ग्रामीण (पश्चिम) मंडल अध्यक्ष व राजनांदगांव तहसील साहू संघ उपाध्यक्ष मनोज साहू ग्राम खैरा (रवेली) निवासी के माता श्रीमती अनुसूईया बाई साहू (64 वर्ष) का आकस्मिक निधन बीते दिनों हो गया था। वे अपने पीछे पति श्री नंदलाल साहू एवं दो पुत्र एवं दो पुत्री सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। राजनांदगांव पूर्व सांसद अभिषेक सिंह मनोज साहू के घर पहुंचकर शोकाकुल परिवार से मुलाक़ात किया और स्व. अनुसूईया बाई साहू को भाव पूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किया।

उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित किया।

,गैदाटोला परिक्षेत्र साहू के वीरेंद्र साहू अध्यक्ष निर्वाचित हुए

छुरिया। गैदाटोला परिक्षेत्र साहू समाज गैदाटोला के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार साहू ग्राम खपराभाट निर्वाचित हुए उपाध्यक्ष पद पर भारत लाल साहू कुही खुर्द निर्वाचित हुए संग ठन सचिव श्री अनिल कुमार साहू फाड़ूटोला तथा महिला उपाध्यक्ष श्रीमती कुमेश्वरी गजेन्द्र साहू मातेखेडा एवं संगठन सचिव श्रीमती देवकी साहू निर्वाचित हुए सभी पदों को शांति और सौहार्द पूर्ण सम्पन्न हुआ नव निर्वाचित अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार साहू ने कहा कि सामाज में युवा एवं नारी शक्तियों का के आगे आने से सामाज को नया दिशा मिलेगी तथा सामाज को आर्थिक विकास समृद्ध बनाने सफलता मिलेगी गैंदा टोला में परिक्षेत्र में अट्ठारह गांव शामिल हैं चुनाव को सम्पन्न कराने के लिए प्रमुख रूप से श्री नोबल साहू कोषाध्यक्ष जिला साहू सन्घ राजनांदगांव एवं चुनाव निर्वाचन अधिकारी के रूप में श्री श्याम सुंदर साहू जी, श्री ललित साहू और छुरियां परिक्षेत्र के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री उमेश साहू तथा श्री भारत लाल साहू अध्यक्ष परिक्षेत्र साहू समाज गैन्दाटोला चन्द्र कुमार साहू संरक्षक श्री मदन लाल साहू उपाध्यक्ष जिला साहू समाज राजनांदगांव श्री मती हेमिनविष्णु साहू जनपद सदस्य महोदय धनेश कुमार साहू सचिव ईश्वर साहू बलेश्वर साहू हिरा लाल साहू चतुर साहू मानदास साहू हरेन्द कुमार साहू कंस कुमार साहू

राजनांदगांव को मिलेगी नई सौगात: राजनांदगांव व डोंगरगढ़ में पर्यटक सूचना केंद्रों का कल होगा लोकार्पण

एजेंसी। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड राजनांदगांव जिले को पर्यटन विकास की नई सौगात देने जा रहा है। कल 2 अक्टूबर 2025, गुरुवार को संध्या 5 बजे गौरव पथ स्थित चौपाटी, विश्राम गृह के सामने आयोजित समारोह में राजनांदगांव एवं डोंगरगढ़ में स्थापित पर्यटक सूचना केंद्रों का संयुक्त शुभारंभ और लोकार्पण किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय अध्यक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा डॉ. रमन सिंह शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय पर्यटन, संस्कृति,धर्मस्व एवं धार्मिक न्यास मंत्री श्री राजेश अग्रवाल करेंगे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की अगुवाई करेंगे माननीय स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव और माननीय सांसद राजनांदगांव श्री संतोष पांडे। लोकार्पण कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय विधायक डोंगरगढ़ श्रीमती हर्षिता स्वामी बंजारे, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद डोंगरगढ़ श्री रमन डोंगरे,पूर्व विधायक श्री रामजी भारती व श्री विनोद खांडेकर, माननीय महापौर राजनांदगांव श्री मधुसूदन यादव, माननीय अध्यक्ष श्रम कल्याण मंडल श्री योगेश दत्त मिश्रा,अध्यक्ष जिला सहकारी केंद्रीय बैंक श्री सचिन बघेल तथा अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती किरण वैष्णव की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के माननीय अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा ने बताया कि इन सूचना केंद्रों की स्थापना से पर्यटकों को यात्रा मार्ग, ठहरने की सुविधा, धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों तथा स्थानीय कला-संस्कृति की जानकारी सहज रूप से मिल सकेगी।

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत गंजपारा स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

संवाददाता

दुर्गा नवमी के शुभ अवसर पर स्थानीय गंजपारा स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर चल रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी दक्षिण मंडल के द्वारा आयोजित किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता की थीम ÷मोदी जी का विकसित भारत का स्वप्न÷ रखी गई, जिसमें बच्चों ने अपनी कल्पनाओं के माध्यम से प्रधानमंत्री के विकसित भारत के दृष्टिकोण को चित्रों में उकेरा।

प्रदेश का पहला बुजुर्ग स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र बैकुंठपुर में खुला

आधुनिक सुविधाओं से लैस केंद्र का हुआ शुभारंभ, बुजुर्गों को मिलेगी राहत

कोरिया संवाददाता । अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर कोरिया जिले को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक और उपलब्धि मिली। जिला अस्पताल परिसर में प्रदेश का पहला बुजुर्ग स्वास्थ्य एवं देखभाल केंद्र शुरू किया गया। इसका शुभारंभ विधायक श्री भईया लाल राजवाड़े एवं कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से किया। **विधायक बोले वृद्धजन दिवस पर कोरिया को मिला अनमोल तोहफ़ा :** कार्यक्रम में विधायक श्री राजवाड़े ने कहा कि आज वृद्धजन दिवस पर जिले को मिली यह सुविधा वास्तव में एक बड़ा तोहफ़ा है। उन्होंने कहा, हमारे बुजुर्गों ने जीवन भर समाज और परिवार को संवारने में योगदान दिया है। उनकी देखभाल और उपचार के लिए यह केंद्र अत्यंत सहायक सिद्ध होगा। कलेक्टर त्रिपाठी ने कहा इस उम्र में भीड़ और दर्द सबसे बड़ी समस्या :कलेक्टर चंदन

त्रिपाठी ने कहा कि उम्र बढ़ने पर घुटनों, एड़ियों और अन्य रोगों से पीड़ित होना सामान्य बात है। उन्होंने कहा, हम सबको इस अवस्था से गुजरना है। बुजुर्ग अवस्था में सबसे बड़ी समस्या भीड़ से बचाव और दर्द से राहत की होती है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री जी की मंशा अनुरूप यह बुजुर्ग देखभाल केंद्र शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि महज डेढ़ माह में यह केंद्र बनकर तैयार हुआ है।

उन्होंने बुजुर्गों से अपील की कि वे इस केंद्र की जानकारी अपने आसपास के अन्य वृद्धजनों तक भी पहुंचाएं। साथ ही उन्होंने बताया कि 'वयोवृद्ध एक्सप्रेस' भी चलायी जा रही है, ताकि वे बुजुर्ग जो अस्पताल तक नहीं पहुंच पाते, उनके घर तक ही जांच और उपचार की सुविधा दी जा सके। विधायक श्री राजवाड़े, कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी व जनप्रतिनिधियों ने बुजुर्गों को पुष्प, शाल व श्रीफल भेंटकर सम्मान किया और इन प्रतिनिधियों ने नई पीढी से इन बुजुर्गों के देखभाल के साथ आत्मीय संवाद बनाए रखने की अपील की।

बुजुर्गों के लिए अत्याधुनिक उपकरण और थेरेपी : मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह ने बताया कि बुजुर्ग स्वास्थ्य केंद्र में अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें ट्राइसाइकिल, बैलेंस बोर्ड, फुट मसाजर, पैरेलल बार, स्टेयर क्लाइंबिंग, ट्रेडमिल, मसाज चेयर, ट्रैक्शन और वैक्स बाथ जैसी सुविधाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यहां फिजियोथेरेपी और पंचकर्म जैसी सेवाएं भी बुजुर्गों को उपलब्ध होंगी। अब बुजुर्गों को इन उपचारों के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा।

कोपेडीह –देवादा चौक में प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज का किया भव्य स्वागत

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी सम्माननीय अध्यक्ष दीपक बैज जी का डोंगरगढ़ माता बमलेश्वरी के दर्शन करने जाने वक्त कोपेडीह देवादा चौक में सैकड़ों कार्यकर्ता की मौजूदगी में भव्य स्वागत किया गया जिसमें कांग्रेस जिला अध्यक्ष भागवत साहू जी के निर्देशानुसार मंडल अध्यक्ष टेड़ेसरा परस साहू सेक्टर प्रभारी टेड़ेसरा लक्की चंद्राकार , सेक्टर प्रभारी अंजोरा राधेश्याम साहू पूर्व सरपंच देवलाल साहू टेड़ेसरा के संयुक्त नेतृत्व में स्वागत किया गया जिसमें मुख्यरूप से जीतू मुदलियार पदम कोठारी मोतीलाल साहू पंकज बांधव युवा कांग्रेस जिला महासचिव चंद्रकांत (पप्पू) साहू महासचिव सुनिल कोठारी एवं रॉबिन सिंग राजेन्द्र देशमुख

सुरेश चतुर्वेदी अवध सिन्हा राजेश यादव संतोष देशमुख संजय देशमुख तोरण साहू राजेश साहू संतोष साहू यवनेश साहू कोमल साहू अजीत साहू राधेश्याम मनोज साहू भरत सिन्हा महेश साहू परमेश साहू उमेश साहू धनेश साहू सीताराम साहू मंगलू साहू टेड़ेसरा एवं अंजोरा सेक्टर के बूथ अध्यक्ष एवं सैकड़ो कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे ।

जिला पंचायत से औद्योगिक गतिविधियों में संलग्न स्वयंसहायता समूहों की जानकारी, वन विभाग से वनोपज एवं वनोपज प्रसंस्करण का विवरण, विद्युत विभाग से विद्युत उपलब्धता तथा निम्न दाब एवं उच्च दाब केन्द्रों की स्थापना से संबंधित जानकारी, जल संसाधन विभाग से जिले में स्थित जलाशयों की संरचना, जल भराव क्षेत्र तथा क्षमता का विवरण, लोक निर्माण विभाग से जिले में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मार्ग तथा अंतर्जिला सम्पर्क सड़क मार्गों की जानकारी, कृषि विभाग से क्षेत्रवार उत्पादकता एवं उत्पादन मात्रा सहित सिंचित व असिंचित क्षेत्र की जानकारी, खनिज विभाग से खनिज उत्पादन एवं गौण खनिज का विवरण तथा क्रेशर उद्योग की संभावनाओं की जानकारी, श्रम विभाग से श्रम कल्याण से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने हेतु कहा गया।

दुनिया की समस्याओं का समाधान निकालने पत्रकारों को आगे आना होगा-राजेश

आज सूचना मिलना हुआ आसान, लेकिन सही सूचना का पता लगाना मुश्किल

राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन में एक्शन प्लान हुआ तैयार

हिमाचल प्रदेश के तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धरमानी ने किया पत्रकारों को संबोधित

राजनांदगांव, आबू रोड़/28 सितम्बर 2025। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मीडिया कॉन्फ्रेंस का विदाई सत्र के साथ कई सारे सन्देश दे गया। संस्था के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन में 26 सितंबर से चल रहे महासम्मेलन के विदाई सत्र को हिमाचल प्रदेश के तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धरमानी ने संबोधित किया। उन्होंने पत्रकारों का आह्वान करते हुए कहा कि आज दुनिया के सामने बहुत सारी चुनौतियां हैं, उसका समाधान निकालने के लिए पत्रकारों की जरूरत है। उन्हें आगे आना होगा। मीडिया सूचना प्राप्त करने का एक जरिया है। जो आप बताते हैं, लोग उसे सच मानते हैं। प्रिंट से लेकर आज इलेक्ट्रॉनिक मीडिया डिजिटल मीडिया भी

उपलब्ध है। आज जहां सूचना प्राप्त करना आसान हुई है, लेकिन सही सूचना पाना ज्यादा मुश्किल हो गया है। ब्रह्माकुमारीज़ अच्छे सामाजिक कार्य कर रहा है। साधारण व्यक्ति में बदलाव लाने से बड़ा योगदान क्या हो सकता है। लेकिन इसके लिए मुख्य धारा मीडिया में प्राइम टाइम कोई बड़ा कार्यक्रम नहीं दिखाया गया। देश की कई संस्थाएं ऐसे ही अच्छे कार्य कर रही हैं, लेकिन वे प्राइम टाइम से गायब हैं। ब्रह्माकुमारीज़ के सेकेट्री जनरल मृत्युंजय भाई ने कहा कि मीडिया विंग को बधाई देता हूँ। ब्रेकिंग न्यूज़ देखकर लगता है कि तृतीय विश्व युद्ध कभी भी हो सकता है। दुनिया में ना एकता है, न शांति न विश्वास है। अभी प्रकृति भी मनुष्य की दुश्मन बन चुकी है। ऐसे में नई दुनिया बनाने वाले, विश्व मे सुख शांति स्थापित करने वाले परमपिता परमात्मा इस धरा पर अवतरित होकर नई शिक्षा दे रहे हैं। नई शिक्षा का आंदोलन चल रहा है। इस शिक्षा का सरल, सहज स्वाभाविक ज्ञान बताता है कि मैं कौन हूँ? कहाँ से आया हूँ? ये याद दिला रहे हैं। नई दिल्ली से आये पूर्व डायरेक्टर जनरल प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो भारत सरकार देवेंद्र सिंह मलिक ने कहा कि एक बेहतर दुनिया के लिए मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।

बंछोर जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

रायपुर, कोण्डागांव । साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने मंगलवार को जिला मुख्यालय के सभा कक्ष में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। कलेक्टर ने जनदर्शन में पहुंचे आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता के साथ सुनी और संबंधित अधिकारियों को उनके आवेदनों पर त्वरित निराकरण हेतु निर्देशित किया। जनदर्शन में आज ग्राम सोड़सिवनी निवासी कुन्ती मरकाम ने प्रधानमंत्री आवस मांग की, ग्राम एटेकोन्हाड़ी निवासी मनीष राना ने बीएसएनएल टावर चालू कराने लिए आवेदन प्रस्तुत किया। इसी प्रकार ग्राम मलनार पुजारी पारा निवासी जयत राम मण्डावी ने वन अधिकार पत्र की मांग सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं को लेकर 16 आवेदन प्राप्त हुए।

स्वच्छोत्सव अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा पखवाडा अभियान

राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा एवं ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू ने दलदल सिवनी के पास मिलन चैक खेल मैदान की श्रमदान कर नागरिको सहित की सफाई एवं दिया स्वच्छ शहर का सकारात्मक संदेश 0

रायपुर – भारत गणराज्य के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितम्बर से महात्मा गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक चलाये जा रहे स्वच्छोत्सव अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा पखवाडा अभियान के अंतर्गत आज रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 9 अंतर्गत दलदल सिवनी में मिलन चैक खेल मैदान में सफाई श्रमदान से करते हुए प्रदेश के राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा और रायपुर ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू ने कुशाभाउ ठाकरे वार्ड क्रमांक 7 के पार्षद एवं नगर निगम शहरी गरीबी उपशमन एवं समाज कल्याण विभाग के अध्यक्ष श्री खेमकुमार सेन और रायपुर शहर जिला भाजपा अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद श्री रमेष सिंह ठाकुर सहित विषिष्टजनो, गणमान्यजनो, सामाजिक कार्यकर्ताओं, नवयुवको, आमजनो रायपुर नगर निगम जोन 9 के जोन कमिष्नर श्री संतोष पाण्डेय, कार्यपालन अभियंता श्री शरद ध्रुव, श्री अंषुल शर्मा सीनियर, जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री बारोन बंजारे, स्वच्छता निरीक्षक श्री भोलाराम साहू सहित जोन 9 के समस्त अधिकारियो कर्मचारियो के साथ हाथ में झाडू लेकर श्रमदान से सफाई कर कचरा उठाकर स्वच्छता कायम करते हुए जन-जन को स्वच्छ शहर का सकारात्मक स्वच्छता संदेष दिया।

प्रदेष के राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा एवं रायपुर ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू ने नगर निगम एमआईसी सदस्य श्री खेमकुमार सेन सहित समस्त राजधानीवासियों से स्वच्छता ही सेवा पखवाडा अभियान में अधिकाधिक संख्या में सम्मिलित होकर सफाई श्रमदान कर सक्रिय सहभागिता के साथ राजधानी शहर रायपुर को स्वच्छ, सुन्दर, विकसित राजधानी बनाने का संकल्प लेने की अपील की ।

छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज और लायंस क्लब रायपुर कैपिटल का दान का महाकुंभ

रायपुर, ।

3 अक्टूबर 2025 को ÷दान का महाकुंभ - होटल उत्सव पैलेस, तेलीबांधा थाना के पास दोपहर 12:00 से 3:00 बजे तक छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज द्वारा आगामी 3 अक्टूबर 2025 को ÷दान का महाकुंभ÷ का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम होटल उत्सव पैलेस, तेलीबांधा थाना के पास दोपहर 12:00 से 3:00 बजे तक आयोजित होगा। इस महाकुंभ का उद्देश्य पंजाब बाढ पीड़ितों तथा जरूरतमंद लोगों तक सहयोग पहुँचाना है। लायंस क्लब रायपुर कैपिटल की अध्यक्ष लायन कनीज़ सिद्दीकी, सचिव लायन अमरजीत कौर ढ्ल्ला, कोषाध्यक्ष लायन भोजराज साहू एंव समस्त सदस्यो द्वारा छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज को कपड़े और जरूरी सामान देने का प्रस्ताव दिया गया है जिसे समाज ने स्वीकार कर लिया है छत्तीसगढ सिक्ख समाज ने राजधानीवासियों से अपील की है कि वे भी अपने घरों में रखे अतिरिक्त कपड़े,कंबल, प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें, साहित्यिक पुस्तकें, ज्ञानवर्धक पुस्तकें और उनके उपयोग में ना आने वाले हर तरह के अच्छे घरेलू सामान का दान करें और इस पुनीत कार्य मे सहभागी बनें। छत्तीसगढ़ सिख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा ने दानदाताओं से अपील की है कि वे दान में दिए जाने वाले कपड़े साफधुले हुए हों, प्रेस करके पैकिंग में लाए जाएं ताकि जरूरतमंद उनका सही उपयोग कर सकें। कृपया ध्यान रहे कि सभी तरह का घरेलू सामान जिसे दान में देना हो वह टूटा-फूटा या गंदा न हो। गंदे, फटे और खुले कपड़ों का ढेर लेकर ना आएं। दान का महाकुंभ में नकद राशि का दान भी दिया जा सकता है। दान करने वाले सभी दानवीर सहयोगी संस्थाओं, महिलाओं, पुरुषों को छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा ने कहा कि यह आयोजन केवल दान का ही नहीं बल्कि समाजिक जिम्मेदारी और मानवता की भावना को आगे बढ़ाने का एक महाअभियान है।

समझदारी से ही हो सकते हैं सुखी और समृद्ध

जीवन विद्या पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

7 से 13 अक्टूबर तक अग्रेसन धाम में होगा वृहद आयोजन

रायपुर। धरती का हर मानव निरंतर सुख चाहता है। इसके लिए वह अपने विचार और मान्यता के अनुसार कार्य-व्यवहार करता है। भ्रमित स्थिति में गलती होती है, पर मानव मूलतः गलती नहीं करना चाहता। जबकि हर कोई सुखी हो सकता है, निरंतर सुखी हो सकता है। समझदारी से हर कोई सुखी और समृद्ध हो सकता है। यह बातें जीवन विद्या के एक दिवसीय कार्यशाला में प्रबोधक डॉ. मीनाक्षी राठौर ने कही। अभ्युदय संस्थान अछोटी ने राजधानी के देवेंद्रनगर स्थित वाणिज्य भवन में कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें शारदा एनर्जी के अधिकारी-कर्मचारीगण शामिल हुए। डॉ. मीनाक्षी राठौर एवं चंद्रशेखर राठौर ने कार्यशाला में बताया कि ए नागराज ने मानव चेतना विकास मूल्य शिक्षा मध्यस्थ दर्शन-सह अस्तित्ववाद का प्रतिपादन किया है, जिसमें शिक्षा के माध्यम से मानव का अध्ययन किया गया है। इसी पर आधारित जीवन विद्या परिचय

शिविर का आयोजन 7 से 13 अक्टूबर तक अग्रसेन धाम छोकरानाला रायपुर में किया गया है, जिसमें प्रबोधक सोमदेव त्यागी होंगे। संवाद के जरिये वे प्रतिभागियों से जीवन में सुखी और समृद्ध होने चर्चा करेंगे। इस कार्यशाला में की भी व्यक्ति शामिल हो सकता है। यह पूरी तरह निःशुल्क है, केवल भोजन और आवास की सुविधा लेने पर सहयोग राशि ली जाएगी। इसके लिए मोबाइल नंबर 98930 25307 एवं 75063 36797 पर संपर्क कर पंजीयन कराया जा सकता है। श्री राठौर ने बताया कि जिस तरह एक इंजीनियर और एक डाक्टर शिक्षा के माध्यम से तैयार किये जा सकते हैं, वैसा ही एक अच्छा पति, एक अच्छा पिता, एक अच्छा मित्र, एक अच्छा व्यक्ति शिक्षा के माध्यम से तैयार किया जा सकता है। इसके जरिये व्यक्ति में समाधान, परिवार में समृद्धि, समाज में अभय और प्रकृति सह-अस्तित्व लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भ्रमित मानव हमेशा दुखी रहेगा। जागृत मानव हमेशा सुखी रहेगा। वह व्यवहार के लिए व्यवसाय करता है।

माँ दुर्गा की मूर्तियों का महादेवघाट के समीप विसर्जन कुण्ड में भक्तों द्वारा श्रद्धापूर्ण विसर्जन हुआ प्रारम्भ

रायपुर -

महादेवघाट के समीप नगर पालिक निगम के विसर्जन कुण्ड में आज महानवमी तिथि से आदिशक्ति की प्रतीक देवी माँ दुर्गा की मूर्तियों का श्रद्धापूर्ण विसर्जन भक्तों द्वारा किये जाने का सिलसिला आज सुबह से ही प्रारम्भ हो गया है. सुबह से संध्या तक माता भक्तों द्वारा विसर्जन कुण्ड में माँ दुर्गा की एक छोटी और 15 बड़ी मूर्तियों का विसर्जन श्रद्धापूर्वक किया जा चुका है।

भक्तों की सुविधा की दृष्टि से नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा महादेवघाट के समीप विसर्जन कुण्ड स्थल पर क्रेन, गोताखोर, प्रकाश, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था सहित सभी आवश्यक प्रबंध महापौर श्रीमती मीनल चैबे और आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर किये गए हैं. दिनांक 2 अक्टूबर को सुबह 6 बजे से दिनांक 5 अक्टूबर को सुबह 6 बजे तक विसर्जन कुण्ड स्थल पर चक्रीय आधार पर जोन की टीमों की ड्यूटी लगायी गयी है.

इसके पूर्व आज विसर्जन कुण्ड स्थल पर माँ दुर्गा की मूर्तियों के श्रद्धापूर्ण विसर्जन की व्यवस्था हेतु नगर निगम जोन 8 के अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम महापौर श्रीमती मीनल चैबे और आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल और कार्यपालन अभियंता श्री अतुल चोपड़ा के मार्गनिर्देशन में ड्यूटी पर रही।

सभी नागरिकों से राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण में रायपुर शहर को देश में प्रथम रैंकिंग दिलवाने अधिकाधिक संख्या में स्वच्छता फीडबैक देने की विनम्र अपील 0

रायपुर – राजधानी शहर की प्रथम नागरिक रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चैबे, नगर निगम सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़, नगर निगम संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री अमर गिदवानी ने समस्त नगरवासियों को दिनांक 2 अक्टूबर 2025 को विजयादशमी पर्व की अग्रिम हार्दिक शुभकामनायें देते हुए मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के दिव्य श्रीचरणों में समस्त नगरवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और शान्ति प्रदान करने राजधानी शहर रायपुर सहित सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में समृद्धि और खुशहाली लाने कार्य करने सकारात्मक प्रेरणा ऊर्जा शक्ति प्रदान करने की विनम्र प्रार्थना की है। विजयादशमी पर्व असत्य पर सत्य की विजय के उत्सव के रूप में मनाया जाता है। वैदिक मान्यताओं के अनुसार विजयादशमी पर्व को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम द्वारा आसुरी शक्तियों का विनाश कर सम्पूर्ण जगत को शोकमुक्त करने के पर्व के रूप में मनाया जाता है। अतएव विजयादशमी पर्व प्रत्येक नागरिक को जीवन में सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने का एक श्रेष्ठ सुअवसर प्रदान करता है।

बिरनपुर हिंसा चार्जशीट : गृह मंत्री विजय शर्मा का विपक्ष पर तंज

रायपुर (संवाददाता)।

बिरनपुर मामले की जांच के बाद सीबीआई ने चार्जशीट दाखिल कर दिया है. इस पर कांग्रेस की आई टिप्पणी पर उप मुख्यमंत्री व गृह मंत्री विजय शर्मा ने तंज कसा है. उन्होंने कहा कि कम से कम सीबीआई पर तो कांग्रेस का विश्वास बढ़ा है. पांच सालों तक सीबीआई को बैन कर रखा था. गृह मंत्री विजय शर्मा ने मीडिया से चर्चा में कहा कि चार्जशीट पर कहा कि सीबीआई ने एक बिंदु पर ही जांच की. जो गांव वालों के तर्क बिंदु है, उस पर सीबीआई की जांच नहीं हुई है.

वहीं तोमर बंधु सहित कई फरार आरोपियों के अब तक नहीं पकड़े जाने पर कांग्रेस के तंज पर गृह मंत्री ने कहा कि दुबई में जो बैठे हैं, उनके साथ इनके लोग भी बैठे हैं, कांग्रेस यह बताए कि उनका क्या हुआ। कांग्रेस पर हमला जारी रखते हुए विजय शर्मा ने कहा कि कांग्रेस सरकार उस समय मदहोश थी. कांग्रेस को कभी अपने कार्यकाल में ध्यान नहीं आया कि प्रदेश में क्या चल रहा था. कांग्रेस में कुछ ही लोगों की धमक ज्यादा थी. इस वजह से बाकी सब की आवाज नहीं सुनाई देती थी।

एनडीपीएस मामलों में हो रही कार्रवाई उन्होंने कहा कि हमारे यहां एनडीपीएस के प्रकरण में कई लोग पकड़े जा रहे हैं, जिनके मामले 4-5 साल पुराने हैं. इसीलिए किसी एक वर्ग के पीछे नहीं भागना चाहिए, सभी वर्गों से मिलकर काम करना चाहिए. एनडीपीएस में पहली बार प्रॉपर्टी अटैच होने का काम हो रहा है. जितनी शिद्दत से कार्रवाई अभी हो रही है, कांग्रेस के कार्यकाल में वह कार्रवाई कभी नहीं हुई।

3 अक्टूबर को अमित शाह छत्तीसगढ़ में

गृहमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का 3 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ दौरा है। 3 तारीख की रात को केंद्रीय गृहमंत्री का आगमन हो जाएगा. अगले दिन सुबह दंतेवाड़ा में दंतेश्वरी माता के दर्शन करके स्वदेशी मेले में जाएंगे. मांझी मुड़िया पुजारी के साथ उनकी चर्चा होगी।

मुख्यमंत्री लेंगे एसपी-कलेक्टर की बैठक

गृह मंत्री विजय शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 12 से 14 अक्टूबर तक एसपी-कलेक्टर की बैठक लेंगे. यह बहुत ही आवश्यक है, इससे आने वाले सभी कार्यक्रमों पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा. यह नियमित बैठक है, नियमित समय पर हो रही है।

डीजी कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे मोदी-शाह

गृहमंत्री विजय शर्मा ने डीजी कांफ्रेंस को लेकर कहा कि 28, 29 और 30 अक्टूबर को होगा. पहले भी देश के विभिन्न राज्यों में इसका आयोजन हुआ है. नई योजनाओं के होने वाली प्रैक्टिसेज के अलावा देशभर के विषय पर इंटीग्रेटेड तौर पर चर्चा होती है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी दो रात और तीन दिन छत्तीसगढ़ में रहेंगे, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी में शामिल होंगे।

कमिश्नर प्रणाली के लिए चल रही ड्राफ्टिंग उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने रायपुर में लागू होने वाली कमिश्नर प्रणाली को लेकर कहा कि इसके लिए ड्राफ्टिंग का काम चल रहा है. इस प्रणाली से पुलिस के हाथों में ताकत होगी. इससे काम अच्छा होगा।

प्रदेश में गौठान बनेंगे गौधाम, मिलेगा 25 लाख रुपए अनुदान, गड़बड़ी करने पर मिलेगी सजा

छत्तीसगढ़ में पूर्व की कांग्रेस सरकार में बनाए गए गौठान अब गौधाम बनाए जाएंगे. जहां राज्य सरकार ने 20 साल पुराने नियम में बदलाव किया है. वहीं इसके तहत गौधामों को 25 लाख रुपए का अनुदान मिलेगा. किसी प्रकार की गड़बड़ी करने पर कड़े दंड का भी प्रावधान है. गौधाम संचालन के लिए अलग-अलग काम के लिए राशि का प्रावधान होगा.

अब गौठान बनेंगे गौधाम, मिलेगा 25 लाख रुपए अनुदान

गौधाम को लेकर सबसे खास बात ये है कि इसके संचालन के लिए साल में 25 लाख रुपयों तक का अनुदान दिया जाएगा. इसके साथ ही किसी भी प्रकार की गड़बड़ी करने पर कड़े दंड का प्रावधान भी किया गया है. राज्य सरकार के पशुधन विकास विभाग ने गौठानों को गोधाम बनाने के लिए गो सेवा आयोग के 20 साल पुराने नियम में बदलाव किया है.

गड़बड़ी करने पर मिलेगी सजा

इसके तहत छत्तीसगढ़ गो-सेवा आयोग में पंजीकृत गौशाला समिति द्वारा संचालित गोधाम के पंजीयन की प्रक्रिया तय की गई है. जिले में निराश्रित, घुमन्तु गोवंशीय पशुओं के विस्थापन के लिए आवश्यकतानुसार शासकीय भूमि या ग्रामीण क्षेत्र में स्थापित गौठान का चिन्हांकन कर गोधाम स्थापना का प्रस्ताव कलेक्टर द्वारा रजिस्ट्रार, छत्तीसगढ़ राज्य गौसेवा आयोग को भेजा जायेगा.

कैसे तैयार होंगे गौधाम?

छत्तीसगढ़ गौसेवा आयोग नियम 2005 के तहत जिला प्रशासन के प्रस्ताव पर गौधाम बनाए जाएंगे, जो गौशालाओं से अलग होंगे. पहले चरण में राष्ट्रीय राजमार्गों के पास ग्रामीण क्षेत्रों में गौधाम स्थापित होंगे. इनमें स्थानीय निकायों द्वारा एकत्रित निराश्रित गौवंश और गृह विभाग द्वारा कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 (संशोधित 2011) व नियम 2014 के तहत जब्त गौवंश रखे जाएंगे.

शासकीय भूमि पर गौधाम का संचालन

गौधाम शासकीय भूमि पर बनेंगे, जहां बाड़ा, शेड, जलापूर्ति और बिजली की सुविधा होगी. मौजूदा गौठानों को प्राथमिकता दी जाएगी और चारागाह भूमि हरे चारे के लिए उपलब्ध होगी. संचालक संस्था को भूमि या अवसंरचना पर स्वामित्व का अधिकार नहीं होगा.

गौधाम के उद्देश्य

गौ-आधारित उत्पादों को बढ़ावा देना
चारा विकास कार्यक्रम को प्रोत्साहन
प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकास
पशुओं की नस्ल सुधार
गौसेवा के प्रति जागरूकता फैलाना

स्थानीय रोजगार सृजन

प्रत्येक गौधाम में अधिकतम 200 गौवंश रखने की क्षमता जिला और ब्लॉक स्तर पर निगरानी

गौधाम के संचालन की निगरानी के लिए जिला और ब्लॉक स्तर की समितियां बनेंगी. उत्कृष्ट गौधामों को दूसरे वर्ष से प्रति पशु प्रतिदिन 20 रुपए, तीसरे वर्ष 30 रुपए और चौथे वर्ष 35 रुपए अनुदान मिलेगा.

पहले चरण में एनएच के किनारे गौधाम

पहले चरण में राष्ट्रीय राजमार्गों के निकट ग्रामीण क्षेत्रों में गौधाम बनेंगे, ताकि सड़क हादसों में गौवंश की मौत रोकी जा सके. इससे गौसेवा को मजबूती मिलेगी, किसानों को फसल नुकसान से राहत मिलेगी और सड़क हादसे कम होंगे. आदेश लागू होते ही जमीन चयन और संचालन समितियों का गठन शुरू होगा.

संस्थाओं की चयन प्रक्रिया

गौधाम संचालन के लिए संस्था का चयन ÷रुचि की अभिव्यक्ति÷ (श्रइह्) के आधार पर छत्तीसगढ़ गौसेवा आयोग करेगा. जिला स्तरीय समिति आवेदनों का मूल्यांकन कर चयनित संस्था का प्रस्ताव आयोग को भेजेगी. अनुमोदन के बाद संस्था के साथ अनुबंध किया जाएगा.

राज्य के 13वें मुख्य सचिव ने ग्रहण किया कार्यभार

रायपुर (संवाददाता)।

94 बैच के आईएएस अधिकारी विकास शील ने 30 सितंबर को मंत्रालय, महानदी भवन में मुख्य सचिव का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। विकासशील छत्तीसगढ़ के 13वें मुख्य सचिव नियुक्त किए गए हैं। इसके पहले वे एशियन डेवलपमेंट बैंक, मनीला में कार्यकारी निदेशक के पद पर पदस्थ थे। विकास शील को आईएएस बनने के बाद मध्य प्रदेश कैडर मिला था। नवंबर 2000 में मध्यप्रदेश राज्य के विभाजन के बाद उन्हें छत्तीसगढ़ कैडर मिला। वे कोरिया, बिलासपुर और रायपुर जिले के कलेक्टर रहे हैं। वे स्कूल शिक्षा, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, सामान्य प्रशासन और स्वास्थ्य विभागों के सचिव पद पर तैनात रहे।

रायपुर के रह चुके हैं कलेक्टर

इसके अलावा, वे अप्रैल 2007 से अप्रैल 2008 तक रायपुर के कलेक्टर भी रहे हैं। वर्ष 2018 से वे केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर भारत सरकार में रहे। उन्होंने केन्द्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग, जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल

एवं स्वच्छता विभाग में जल जीवन मिशन के मिशन डायरेक्टर के पद पर अपनी सेवाएं दीं।

इंजीनियरिंग के बाद की है लोक प्रशासन में मास्टरी

विकासशील का जन्म 10 जून 1969 को हुआ था। उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से बी.ई. और फिर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से एम.ई. किया। उन्होंने सिरैक्यूज़ यूनिवर्सिटी, अमेरिका से लोक प्रशासन में मास्टर और एक्जीक्यूटिव मास्टर डिग्री और स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन एवं नीति में एडवांस्ड स्टडी का सर्टिफिकेट कोर्स किया है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

नागरिकों पर कर का बोझ कम हुआ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधार जारी रहेंगे तथा अर्थव्यवस्था के और मजबूत होने पर नागरिकों पर कर का बोझ और कम होगा। ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का उद्घाटन करने के बाद मोदी ने यह आस्ति दी। उन्होंने कहा कि देश में वर्तमान सुधारों के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति होने के साथ-साथ उसके पास लोकतांत्रिक और राजनीतिक स्थिरता भी है। जीएसटी में सुधार को लेकर विपक्षी दलों की आलोचना पर पलटवार करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए झूठ फैला रहे हैं। आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में 'टैक्स की लूट' मची थी। लूटे हुए धन की भी लूट होती थी। देश के आम नागरिकों को कर की मार से निचोड़ा जा रहा था। आज कांग्रेस समेत कुछ राजनीतिक दल देश के लोगों को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि हकीकत यह है कि नये जीएसटी रिफॉर्म से गरीब और मध्यम वर्ग, सभी की बचत हुई है।

भारत में कृत्रिम मेधा का उपयोग रोजगारोन्मुख (एम्प्लॉयमेंट-ओरिएंटेड) होना चाहिए।

भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में जहां की आबादी 141 करोड़ है इन परिस्थितियों में रोबोट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता कितनी सार्थक होगी यह एक बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। भारत में बेरोजगारी चरम सीमा पर है ऐसे में रोबोट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस देश के युवाओं का हक छिनता नजर आता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक और रोबोट का का कुछ इस तरह प्रयोग किया जाना चाहिए जिससे रोजगार के अवसर में विस्तार हो और ज्यादा से ज्यादा युवक रोजगार पा सके। यह तो सब विदित है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट का निर्माण मनुष्य ने ही किया है तो आर्टिफि शियल इंटेलिजेंस और रोबोट को एम्प्लॉयमेंट ओरिएंटेड यानी रोजगारोंन्मुख बनाने का काम भी मानव कर ही सकता है वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है, इन परिस्थितियों में कृत्रिम मेधा और रोबोट किन्हीं भी परिस्थितियों में युवकों को रोजगार प्राप्त करने से रोकने का माध्यम नहीं बनना चाहिए। इसे रोजगार हेतु सकारात्मक दृष्टिकोण को दृष्टिगत रखते हुए नए तरीके के आविष्कार किए जाने की आवश्यकता है जिसस रोजगार को बढ़ावा मिल सके।

अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल,आर्टिफि शियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे हो चुकें हैं पर अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर सिमटे न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है और आश्चर्यजनक रूप से यूएई ,सऊदीअरबिया, कतर, मिस्त्र ,जॉर्डन,

मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट के भारतीय संदर्भ में जहां जनसंख्या 141 करोड़ हो चुकी है और बड़ी संख्या में युवा बेरोजगार है ज्यादा प्रयोग से लोगों की नौकरियां जाने का बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता है। यह बात दुनिया के बड़े अरबपति कारोबारी टेस्ला और एक्स के कारोबारी एलन मस्क ने स्टार्टअप के एक कार्यक्रम में फ्रांस में महत्वपूर्ण अंदाज में कहीं, भविष्य के लिए यह बात एकदम सटीक एवं सार्थक है। एक अन्य अरबपति कारोबारी इयान बैंक्स ने भी इस पर गंभीर चिंता जताई है। यह बात सभी विकासशील देशों के लिए भी लागू हो सकती है। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नफ्ज़ पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पल्स रेट द्वारा आपके मन की हर बात जानने में सक्षम हो सकता है। आ

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है।इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर मिसाइल दागने में यूक्रेन यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है और अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है वैसे तो यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे हैं।

गांधी और गांधी विचार को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक?

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

लंदन के प्रसिद्ध टैविस्टॉक स्क्वायर में महात्मा गांधी की 57 साल पुरानी कांस्य की प्रतिमा पर हुआ हमला केवल एक मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने की घटना भर नहीं है, बल्कि यह गांधी के अस्तित्व, उनके विचार और भारत की आत्मा पर आघात है। गांधी प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करते हुए काले रंग से लिखा है, 'गांधी- मोदी, हिंदुस्तानी टेररिस्ट...।' वहां एक तिरंगे का भी अपमान किया गया है और उसपर भी 'टेररिस्ट' लिखा हुआ है। जिस समय यह हमला हुआ, वह भी बेहद प्रतीकात्मक है, अंतरराष्ट्रीय गांधी जयंती यानी अहिंसा दिवस से महज तीन दिन पहले। यह समय का ऐसा चयन है जो यह दर्शाता है कि अहिंसा के विचार और गांधी के व्यक्तित्व को मिटाने की एक सुनियोजित विकृत मानसिकता एवं साजिश है। गांधी की प्रतिमा महज धातु का ढांचा नहीं, बल्कि उन मूल्यों का जीवंत प्रतीक है जिन्होंने न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को नई दृष्टि दी, नई दिशा दी एवं शांतिपूर्ण अहिंसक जीवनशैली दी है। इस पर आघात करना इस बात का प्रमाण है कि हिंसा की प्रवृत्तियां, आतंक की मानसिकता एवं नफरत-द्वेष की विध्वंक शक्तियां अब भी गांधी के विचारों से डरती हैं और उसे क्षत-विक्षत एवं ध्वस्त करने के षडयंत्र रचती रहती है, पर महात्मा गांधी भारत के अकेले ऐसे महापुरुष हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती। गांधी की राजनीति व धर्म का आधार सत्ता नहीं, सेवा था, वसुधैव कुटुम्बकम् था। जनता को भयमुक्त व वास्तविक आजादी दिलाना उनका लक्ष्य था। वे सम्पूर्ण मानवता की अमर धरोहर हैं। उन्होंने दुनिया को अहिंसा का सूत्र देकर शांतिपूर्ण विश्व-संरचना की। दलितों के उद्धार और उनकी प्रतिष्ठा के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा दिया था। उनके जीवन की विशेषता कथनी और करनी में अंतर नहीं होना था।

महात्मा गांधी की प्रतिमा पर अज्ञात लोगों ने जो हमला किया और आपत्तिजनक नारे लिखे। भारतीय उच्चायोग ने इसे अहिंसा की विरासत पर हमला बताया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस जांच में जुटी है। ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि गांधी की शिक्षाएं हमें सदा एकजुट करती रहेंगी। गांधी के व्यक्तित्व एवं विचारों को आहत करने की यह घटना केवल ब्रिटेन के अस्तित्व एवं अस्मिता तक सीमित नहीं रहती, बल्कि भारत की गरिमा और उसकी सांस्कृतिक उपस्थिति को भी चुनौती देती है। जब किसी राष्ट्र के सार्वभौमिक प्रतीक पर हमला होता है, तो वह उस राष्ट्र के स्वाभिमान और उसके विचारों पर हमला माना जाता है। गांधी केवल भारत के नायक नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के नैतिक मार्गदर्शक हैं। उनका स्मारक क्षतिग्रस्त करना मानवता की उस चेतना को धूमिल करने का प्रयास है जो संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और शांति पर आधारित है। ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, आतंक और कट्टरता से त्रस्त है, गांधी का विचार और भी प्रासंगिक हो जाता है। ऐसे विचार को कुचलने की चेष्टा न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती है। समीक्षात्मक दृष्टि से देखा जाए तो यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर क्यों अहिंसा जैसे सार्वभौमिक मूल्य आज के दौर में असहनीय प्रतीत होते हैं? क्यों कुछ समूह इतिहास को मिटाने और संवाद की जगह हिंसा को स्थापित करने पर आमादा हैं? यह केवल अतीत की स्मृति पर हमला नहीं है, बल्कि भविष्य की दिशा पर भी सवाल खड़ा करता है। मूर्तियां टूटीं तो उन्हें ठीक किया जा सकता है, लेकिन यदि विचारों को खंडित करने का यह सिलसिला जारी रहा तो यह मानवता की आत्मा के लिए घातक सिद्ध होगा।

समय-समय पर शरारती एवं असामाजिक तत्व देश एवं दुनिया में भारत की महान् विभूतियों- गांधी-मोदी के दर्शन व उनकी कार्य-पद्धतियों पर कीचड़ उछालते रहे हैं और उन्हें गालियां देकर गौरवान्वित होते रहे हैं। ताजा गांधी प्रतिमा को तोड़ने की घटना किसी साधारण शरारत या स्थानीय असंतोष का परिणाम नहीं है, बल्कि यह उस गहरी हिंसक, आतंकी और विकृत मानसिकता का प्रतीक है, जो दुनिया में अहिंसा की आवाज़ को दबाना चाहती है। यह घटना केवल एक प्रतिमा को खंडित करने की नहीं, बल्कि महात्मा गांधी के विचारों पर आहत करने की साजिश है। गांधी महज एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक दर्शन हैं। उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांत विश्व राजनीति, समाज और मानवता के लिए अब भी सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं। इसीलिए हिंसक मानसिकताएं बार-बार इन मूल्यों को मूक बनाने या कुचलने का प्रयास करती हैं। गांधी प्रतिमा पर हमला वस्तुतः उसी मानसिकता की पुनरावृत्ति है, जिसने उनकी हत्या की थी। आज यह मानसिकता कभी धार्मिक उग्रवाद, कभी नस्लीय भेदभाव, कभी आतंकवाद और कभी आर्थिक साम्राज्यवाद का रूप धारण करके सामने आती है। यह घटना भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए गंभीर चेतावनी है कि यदि अहिंसा और सहअस्तित्व की आवाज़ को चुप करा दिया गया, तो मानव सभ्यता हिंसा, आतंक और विनाश के अंधकार में जा सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस तरह शांति, वैश्विक सहयोग और अहिंसक संवाद की परंपरा को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित करने का प्रयास किया है, वह गांधी दर्शन की ही आधुनिक अभिव्यक्ति है। अंतरराष्ट्रीय संघर्षों, जलवायु संकटों, आतंकवादी क्रूरताओं और युद्ध की विभीषिकाओं से जूझती दुनिया में भारत की यह भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में गांधी प्रतिमा पर हमला, दरअसल इस शांति अभियान को ठेस पहुँचाने का संगठित प्रयास है। यह केवल भारत को नहीं, बल्कि उन सभी देशों और समुदायों को चुनौती है, जो अहिंसा को सभ्यता का मूल मंत्र मानते हैं। आज यह जरूरी है कि हम इस हिंसक और आतंकवादी मानसिकता को करारा जवाब दें। यह जवाब केवल प्रतिवाद या आक्रोश से नहीं, बल्कि गांधी के विचारों को और अधिक दृढ़ता से जीकर और फैलाकर देना होगा। जब-जब गांधी प्रतिमा पर चोट की गई है, तब-तब गांधी और बड़े होकर खड़े हुए हैं। कभी-कभी प्रशंसा नहीं ऐसी गालियां गांधी को ज्यादा पूजनीय बनाती रही हैं। जिस प्रकार गांधी ने कहा था-÷आप मुझे मार सकते हैं, मेरे शरीर को नष्ट कर सकते हैं, पर मेरे विचारों को समाप्त नहीं कर सकते÷-यह सत्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है। दरअसल, अहिंसा को कुचलने की हर कोशिश अहिंसा को और अधिक शक्तिशाली बना देती है। यह हमला गांधी की अमरता का प्रमाण है। हमें इस अवसर को केवल निंदा तक सीमित न रखकर, गांधी के सत्य, प्रेम और सहिष्णुता के संदेश को और व्यापक स्तर पर प्रसारित करना चाहिए। तभी आतंकवादी मानसिकता को वास्तविक और स्थायी जवाब मिलेगा।

गांधी को कितने सालों से कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है। जीते जी और मरने के बाद गांधी ने कम गालियां नहीं खाईं। गोडसे ने गोली से उनके शरीर को मारा पर आज तो उनके विचारों को बार-बार मारा जा रहा है। महात्मा के शिष्यों ने, बापू के बेटों ने, संत के अनुयायियों ने और गांधी की पार्टी वालों ने उनको बार-बार बेचा है, उनसे कमाया है, उनके नाम से वोट मांगे हैं, सत्ता प्राप्त की है, सुबह-शाम धोखा दिया है और उनकी चादर से अपने दाग छिपाये हैं। लेकिन बहुत हो गया, अब यह आवश्यक है कि इस घटना का विरोध केवल भावनात्मक या औपचारिक स्तर पर न होकर ठोस, नैतिक और प्रभावी स्वरूप में हो। आज गांधी को खोजने की जरूरत मूर्तियों में नहीं, बल्कि अपने जीवन और आचरण में है। यही इस घटना से निकला सबसे बड़ा संदेश है कि अहिंसा की रक्षा केवल स्मारकों से नहीं बल्कि व्यवहार से होगी। गांधी की प्रतिमा का क्षरण क्षणिक है, किंतु उनके विचारों की हत्या यदि हम होने देंगे तो यह सम्पूर्ण मानवता की हार होगी। लंदन में गांधीजी की इस प्रतिमा का अनावरण 1968 में इंडिया लीग के सहयोग से हुआ था। यूके में गांधी जयंती के मौके पर यह जगह लंबे समय से मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा है। हर साल 2 अक्टूबर को यहां फूलों से श्रद्धांजलि दी जाती है और गांधीजी के प्रिय भजन बजते हैं। इस दिन को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने मान्यता दे रखी है। इसके चबूतरे पर लिखा है- 'महात्मा गांधी, 1869-1948'। उनका लंदन से ऐतिहासिक संबंध रहा है,जहां उन्होंने यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में कानून की पढ़ाई की थी। **यह निजी विचार है।**

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पराक्रम

(प्रेषक : विनोद कुमार सर्वोदय)

दिल्ली पर पाकिस्तानी कब्जे की योजना - सितम्बर 1947 की मध्यरात्रि को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा सरदार पटेल को सूचना दी गई कि 10 सितम्बर को संसद भवन उड़ा कर व सभी मन्त्रियों की हत्या करके लाल किले पर पाकिस्तानी झण्डा फहरा देने की दिल्ली के मुसलमानों की योजना है। सूचना क्योंकि संघ की ओर से थी, इसलिये अविश्वास का प्रश्न नहीं था। पटेल तुरंत हरकत में आए और सेनापति आकिन लेक को बुला कर सैनिक स्थिति के बारे में पूछा। उस समय दिल्ली में बहुत ही कम सैनिक थे। आकिनलेक ने कहा कि आस-पास के क्षेत्रों में तैनात सैनिक टुकड़ियों को दिल्ली बुलाना भी खतरे से खाली नहीं है। कुल मिलाकर आकिन लेक का तात्पर्य यह था कि इतनी जल्दी भी नहीं किया जा सकता, इसके लिये समय चाहिए। यह सारी वार्ता वाइसराय माउंटबैटन के सामने ही हो रही थी। लेकिन पटेल तो पटेल ही थे। उन्होंने आकिनलेक को कहा- ÷विभिन्न छावनियों को को संदेश भेजो, उनके पास जितनी जितनी भी टुकड़ियाँ फालतू हो सकती है, उन्हें दिल्ली तुरंत दिल्ली भेजें।÷ आखिर ऐसा ही किया गया। उसी दिन शाम से टुकड़ियाँ आनी शुरू हो गई। अगले दिन तक पर्याप्त टुकड़ियां दिल्ली पहुंच चुकी थी।

सैनिक कार्यवाही - सैनिक कार्यवाही आरम्भ हुई। दिल्ली के जिन-जिन स्थानों के बारे में संघ ने सूचना दी थी, उन सभी स्थानों पर एक साथ छापे और जगह से बड़ी मात्रा में शस्त्रास्त्र बरामद हुए। पहाड़गंज की मस्जिद, सब्ज़ी मंडी मस्जिद तथा मेहरौली की मस्जिद से सबसे अधिक शस्त्र मिले द्य अनेक स्थानों पर मुसलमानों ने स्टेन गनों तथा ब्रेन से मुकाबला किया, लेकिन सेना के सामने उनकी एक न चली। सबसे कड़ा मुकाबला हुआ सब्जी मण्डी क्षेत्र में स्थित 'काकवान बिल्डिंग' में । इस एक बिल्डिंग पर कब्जा करने में सेना को चौबीस घण्टों से भी अधिक समय लगा।

मेहरौली की मस्जिद से भी स्टेनगनों व ब्रेनगनों से सेना का मुकाबला किया गया । चार-पांच घंटे के लगातार संघर्ष के बाद ही सेना उस मस्जिद पर कब्जा कर सकी।

तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष आचार्य कृपलानी के अनुसार - ÷मुसलमानों ने हथियार एकत्र कर लिए थे। उनके घरों की तलाशी लेने पर बम आग्नेयास्त्र और गोला बारूद के भण्डार मिले थे। स्टेनगन, ब्रेनगन, मोटोर और वायर लेस ट्रांसमीटर बड़ी मात्रा में मिले। इनको गुप्तरूप से बनाने वाले कारखाने भी पकड़े गए।

अनेक स्थानों पर घमासान लड़ाई हुई, जिसमें इन हथियारों का खुल कर प्रयोग हुआ। पुलिस में मुसलमानों की भरमार थी। इस कारण दंगे को दबाने में सरकार को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा।इन पुलिस वालों में से अनेक तो अपनी वर्दी व हथियार लेकर ही फरार हो गए और विद्रोहियों से मिल गए। शेष जो बचे थे, उनकी निष्ठा भी संदिग्ध थी। सरकार को अन्य प्रान्तों से पुलिस व सेना बुलानी पड़ी।÷ (कृपलानी, गान्धी, पृष्ठ 292-293)

मुसलमान सरकारी अधिकारी थे योजनाकारद्ध

द्विदिल्ली पर कब्जा करने की योजना बनाने वाले कौन थे ये लोग? ये कोई सामान्य व्यक्ति नहीं थे। इनमें बड़े - बड़े मुसलमान सरकारी अधिकारी थे, जिन पर भारत सरकार को बड़ा विश्वास था। इनमें उस समय के दिल्ली के बड़े पुलिस अधिकारी तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी थे, जोकि मुसलमान थे।

एक-एक पहलू को अच्छी तरह सोच-विचार करके लिख लिया गया था और वे लिखित कागज-पत्र विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी की ही कोठी में एक तिजौरी सुरक्षित में रख लिए गए थे।

उन दिनों मुसलमान बनकर मुस्लिम अधिकारियों की गुप्तचरी करने वाले संघ के स्वयंसेवकों को इसकी जानकारी मिल गई और उन्होंने संघ अधिकारियों को सूचित किया। संघ अधिकारियों ने योजना के कागजात प्राप्त करने का दायित्व एक खोसला नाम के स्वयंसेवक को सौंपा।

खोसला ने उपयुक्त स्वयंसेवकों की एक टोली तैयार की और सभी मुसलमानी वेश में रात को विश्वविद्यालय के उस अधिकारी की कोठी पर पहुँच गए। मुस्लिम नेशनल गार्ड के कार्यकर्ता वहाँ पहरा दे रहे थे। खोसला ने उन्हें 'वालेकुम अस्सलाम' किया और कहा- ÷हम अलीगढ़ से आए हैं। अब यहाँ पहरा देने की हमारी ड्यूटी लगी है। आप लोग जाकर सो जाओ।÷ वे लोग चले गए।

कोठी से तिजौरी ही उठा लाए

खोसला के लोग कोठी से उस तिजौरी को ही निकाल कर ट्रक पर रख कर ले गए। उसमें से वे कागज निकाल कर देखे गए तो सब सन्न रह गए।

नई दिल्ली में आजकल जो संसद सदस्यों की कोठियाँ हैं, इन्हीं में से ही किसी कोठी में रात को कुछ स्वयंसेवक सरकारी अधिकारियों की बैठक बुलाई गई और दिल्ली पर कब्जे की उन कागजों में अभिलेखित योजना पर मन्थन किया गया। इसी मन्थन में से यह बात सामने आई कि यह योजना इतने बड़े और व्यापक स्तर की है कि हम संघ के स्तर पर उसको विफल नहीं कर सकते। इसे सेना ही विफल कर सकती है। अतः इसकी सूचना हमें सरदार पटेल को देनी चाहिए। फलतः उस बैठक से ही दो-तीन कार्यकर्ता रात्रि को एक बजे के लगभग सीधे सरदार पटेल की कोठी पर पहुँचे तथा उन्हें जगा कर यह सारी जानकारी दी। पटेल बोले-÷अगर यह सच न हुआ तो?÷ कार्यकर्ताओं ने उत्तर दिया- ÷आप हमें यहीं बिठा लीजिए तथा अपने गुप्तचर विभाग से जाँच करा लीजिए। अगर यह सच साबित न हुआ तो हमें जेल में डाल दीजिए।÷ इसके बाद सरदार हरकत में आए।

कल्पना करें कि यदि सरदार पटेल संघ की उक्त सूचना पर विश्वास न करते अथवा वे आकिनलेक की बातों में आ जाते तो भारत सरकार को भाग कर अपनी राजधानी लखनऊ, कलकत्ता या मुम्बई में बनानी पड़ती और परिणाम स्वरूप आज पाकिस्तान की सीमा दिल्ली तक तो जरूर ही होती। साभार:पुस्तकः÷विभाजनकालीन भारत के साक्षी ÷

(खंड-1,पृष्ठ संख्या 92-93) लेखक - श्री कृष्णानन्द सागर जी।

राष्ट्र जागरण की साधना के सौ वर्ष की यात्रा

हितानंद शर्मा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा वास्तव में राष्ट्र जागरण की ध्येय यात्रा है। वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन नागपुर के मोहिते बाड़ा में रोपा गया राष्ट्र साधना का छोटा सा बीज आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। राष्ट्र प्रथम के एकनिष्ठ भाव के साथ किए जा रहे सतत और अनथक प्रयासों से संघ की पहचान आज विश्व के सबसे बड़े संगठन के रूप में बनी है। राष्ट्र, संस्कृति, धर्म एवं समाज के हित में सर्वस्व अर्पण कर देने वाले स्वयंसेवक भारत के पुनरुत्थान की साधना में निरंतर लगे हुए हैं। संघ शताब्दी वर्ष चरैवेति-चरैवेति के मंत्र के साथ बढ़ रहे वैचारिक अधिष्ठान का एक सोपान है। संघ के आद्य सरसंघचालक परम पूजनीय डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उद्देश्य भारत को स्वाधीन बनाने के साथ ही स्व-बोध की चेतना से युक्त एक संगठित समाज का निर्माण करना था। माँ भारती को परम वैभव पर आसीन करने की 100 वर्षों की यह यात्रा सरल नहीं रही। अनेक कठिनाइयों, विरोधों और बाधाओं को ही मार्ग बनाते हुए संघ ने भारत माता की सेवा में व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का कार्य सतत जारी रखा है।

स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्रता के पश्चात संघ ने समाज को देश की सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य किया। स्वतंत्रता के पश्चात् भी जब देश में औपनिवेशिक मानसिकता से प्रेरित और गुलाम पीढ़ी तैयार करने वाली मैकाले शिक्षा पद्धति जारी रखी गई तब संघ प्रेरणा से 1952 में 'विद्या भारती' की स्थापना की गई, जो शिक्षा एवं संस्कार देने वाला आज विश्व का सबसे बड़ा अशासकीय शैक्षणिक संगठन है। युवाओं को राष्ट्रीय विचारों से जोड़ने के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, श्रमिकों के हित में कार्य करने भारतीय मजदूर संघ, किसानों के लिए भारतीय किसान संघ, सेवा कार्यों के लिए सेवा भारती और संस्कार भारती आदि अनेक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से स्वयंसेवकों द्वारा स्थापित किए गए जो आज भी समाज में सक्रियता से कार्य कर रहे हैं। 1936 में स्थापित राष्ट्र सेविका समिति के साथ मिलकर संगठन ने महिलाओं की भूमिका को भी समान महत्व दिया है। आज विचार परिवार के प्रत्येक संगठन में महिला नेतृत्व की सशक्त उपस्थिति इसी दृष्टिकोण का परिणाम है।

स्वतंत्रता के पश्चात् जब भारतीय राजनीति अपने मूल और दिशा से भटकने लगी, देश की संप्रभुता के लिए ही संकट उत्पन्न हो गया, तब पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना की। भारतीय जनसंघ आगे चलकर भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित हुआ। भारतीय जनता पार्टी वर्तमान में विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है। इसे एक ऐसे संगठन के रूप में भी समाज का सम्मान प्राप्त होता है, जिसने अपने गठन के समय से चले आ रहे लगभग सभी प्रमुख संकल्पों को पूर्ण करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति, अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण और भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना इसी विचारधारा के ऐतिहासिक कार्य हैं।

संघ की सौ वर्ष की यात्रा कठिन चुनौतियों से भरी रही है। संघ अपने आरंभिक काल से ही अपनों के ही विरोध, आक्रमण, उपहास और अपमान सहकर भी इस अनवत यात्रा में आगे बढ़ा है। महात्मा गांधी की हत्या के मिथ्या आरोप, दो बार लगाए गए प्रतिबंध, आपातकाल की असहनीय यातनाएं और तमाम विरोधों के पश्चात भी संघ अपने संकल्पों पर दृढ़ रहा। इस साधना की यज्ञ वेदी में असंख्य स्वयंसेवक समिधा बन कर होम भी हुए हैं। स्वयंसेवकों की तपस्या और प्रचारकों के समर्पण ने संगठन को उस स्थिति तक पहुंचाया, जहां आज विश्वभर में लोग संघ को निकट से जानना और उससे जुड़ना चाहते हैं।

भारत के गौरवशाली स्वर्णिम इतिहास, संस्कृति, ज्ञान-परंपरा के संघरूपी वटवृक्ष की जड़ें गहरे तक समायी हुई हैं। संघ की शाखाएं संगठन का सबसे प्रबल पक्ष हैं। समाज में यह वाक्य प्रचलन में भी आ चुका है कि यदि संघ को समझना है तो शाखा में जाकर भलीभांति समझा जा सकता है। संघ की शाखाएं व्यक्ति निर्माण की नर्सरी भी कही जाती हैं। शाखा के माध्यम से स्वयंसेवकों का शारीरिक, मानसिक और चारित्रिक विकास होता है। खेल, गीत, अनुशासन और बौद्धिक कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें नेतृत्व, अनुशासन, बंधुत्व और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा मिलती है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाओं के माध्यमम से समाज का ऐसा संगठन तैयार हुआ है कि देश में कहीं भी प्राकृतिक आपदाओं, मानवीय संकटों और विदेशी आक्रमणों, हर परिस्थिति में संघ के स्वयंसेवक सबसे पहले सेवा कार्य के लिए उपस्थित रहते हैं। गुजरात के भुज में आए भूकंप से लेकर हाल की भीषण बाढ़ की घटनाओं और कोरोना महामारी के दौरान भोजन, परिवहन, दवाइयों से लेकर पीड़ितों के अंतिम संस्कार तक की सेवाओं में स्वयंसेवकों ने निःस्वार्थ भाव से अपना योगदान दिया। इससे पूर्व स्वतंत्रता संग्राम, गोवा मुक्ति आंदोलन, कश्मीर के भारत में विलय, चीन के आक्रमण जैसे ऐतिहासिक घटनाक्रमों में भी संघ की भूमिका उल्लेखनीय रही।

शताब्दी वर्ष संघ की संकल्प यात्रा को और अधिक गति देने का अवसर है। संगठन 'पंच परिवर्तन' के माध्यम से स्वदेशी, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्यों, सामाजिक समरसता और परिवार प्रबोधन जैसे विषयों को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय है। शताब्दी वर्ष के इस महत्वपूर्ण एवं स्मरणीय अवसर पर संघ किसी भव्य आयोजन की बजाय प्रत्येक भारतीय नागरिक तक पहुंचकर उसे अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का बोध कराने का कार्य कर रहा है।

यह निजी विचार है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विजयादशमी उत्सव 2025 में सरसंघचालक जी का उद्बोधन

प. पू. सरसंघचालक श्री मोहन जी भागवत द्वारा श्री विजयादशमी उत्सव, नागपुर, के अवसर पर दिए उद्बोधन का सारांश

(आश्विन शु. 10 युगाब्द 5127 ङ्क गुरूवार दिनांक 2 अक्तूबर 2025)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य के शतवर्ष पूर्ण करने वाली इस विजयादशमी के निमित्त हम यहाँ एकत्रित है । संयोग है कि यह वर्ष श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज के पावन देहोत्सर्ग का तीनसौ पचास वाँ वर्ष है । हिन्द की चादर बनकर उनके उस बलिदान ने विदेशी विधर्मी अत्याचार से हिन्दू समाज की रक्षा की । अंग्रेजी दिनांक के अनुसार आज स्व. महात्मा गांधी जी का जन्मदिवस है। अपनी स्वतंत्रता के शिल्पकारों में वे अग्रणी हैं ही, भारत के 'स्व' के आधार पर स्वातंत्र्योत्तर भारत की संकल्पना करने वाले दार्शनिकों में भी उनका स्थान विशिष्ट है । सादगी, विनम्रता, प्रामाणिकता तथा दृढ़ता के धनी व देशहित में अपने प्राण तक न्यौछावर करने वाले हमारे भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री जी का जन्मदिवस भी आज ही है।

भक्ति, समर्पण व देशसेवा के ये उत्तुंग आदर्श हम सभी के लिए अनुकरणीय हैं । मनुष्य वास्तविक दृष्टि से मनुष्य कैसे बने और जीवन को जिये यह शिक्षा हमें इन महापुरुषों से मिलती है ।

आज की देश व दुनिया की परिस्थिति भी हम भारतवासियों से इसी प्रकार से व्यक्तिगत व राष्ट्रीय चारित्र्य से सुसंपन्न जीवन की माँग कर रही है । गत वर्ष भर के कालावधि में हम सब ने एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में जो राह तय की है उसके पुनरावलोकन से यह बात ध्यान में आती है ।

वर्तमान परिदृश्य आशा और चुनौतियाँ

यह बीती कालावधि एक तरफ विश्वास तथा आशा को अधिक बलवान बनाने वाली है तथा दूसरी ओर हमारे

सम्मुख उपस्थित पुरानी व नयी चुनौतियों को अधिक स्पष्ट रूप में उजागर करते हुए हमारे लिए विहित कर्तव्य पथ को भी निर्देशित करने वाली है ।

गत वर्ष प्रयागराज में संपन्न महाकुंभ ने श्रद्धालुओं की सर्व भारतीय संख्या के साथ ही उत्तम व्यवस्थापन के भी सारे कीर्तिमान तोड़कर एक जागतिक विक्रम प्रस्थापित किया । संपूर्ण भारत में श्रद्धा व एकता की प्रचण्ड लहर जगायी। दिनांक 22 अप्रैल को पहलगाम में सीमापार से आये आतंकवादियों के हमले में 26 भारतीय यात्री नागरिकों की उनका हिन्दू धर्म पूछ कर हत्या कर दी गई । संपूर्ण भारतवर्ष में नागरिकों में दुःख और क्रोध की ज्वाला भड़की । भारत सरकार ने योजना बनाकर मई मास में इसका पुरजोर उत्तर दिया । इस सब कालावधि में देश के नेतृत्व की दृढ़ता तथा हमारी सेना के पराक्रम तथा युद्ध कौशल के साथ-साथ ही समाज की दृढ़ता व एकता का सुखद दृश्य हमने देखा । परन्तु अपनी तरफसे सबसे मित्रता की नीति व भाव रखते हुए भी हमें अपने सुरक्षा के विषय में अधिकाधिक सजग रहना व समर्थ बनते रहना पड़ेगा यह बात भी हमें समझ में आ गई ।

विश्व में बाकी सब देशों के इस प्रसंग के संबंध में जो नीतिगत क्रियाकलाप बने उससे विश्व में हमारे मित्र कौन-कौन और कहाँ तक हैं इसकी परीक्षा भी हो गई ।

देश के अन्दर उग्रवादी नक्सली आन्दोलन पर शासन तथा प्रशासन की दृढ़ कारवाई के कारण तथा लोगों के सामने उनके विचार का खोखलापन व क्रूरता अनुभव से उजागर होने के कारण, बड़ी मात्रा में नियंत्रण आया है । उन क्षेत्रों में नक्षलियों के पनपने के मूल में वहाँ चल रहा शोषण व अन्याय, विकास का अभाव तथा शासन-प्रशासन में इन सब बातों के प्रति संवेदना का अभाव ये कारण थे । अब यह बाधा दूर हुई है तो उन क्षेत्रों में न्याय, विकास, सद्भावना, संवेदना तथा सामरस्य स्थापन करने के लिए कोई व्यापक योजना शासन-प्रशासन के द्वारा बने इसकी आवश्यकता रहेगी । आर्थिक क्षेत्र में भी प्रचलित परिमाणों के आधार पर हमारी अर्थ स्थिति प्रगति कर रही है, ऐसा कहा जा सकता है । अपने देश को विश्व में सिरमौर देश बनाने का सर्व सामान्य जनों में बना उत्साह हमारे उद्योग जगत में और विशेष कर नई पीढ़ी में दिखता है । परंतु इस प्रचलित अर्थ प्रणाली के प्रयोग से अमीरी व गरीबी का अंतर बढ़ना, आर्थिक सामर्थ्य का केंद्रीकृत होना, शोषकों के लिए अधिक सुरक्षित शोषण का नया तंत्र दृढ़मूल होना, पर्यावरण की हानि, मनुष्यों के आपसी व्यवहार में संबंधों की जगह व्यापारिक दृष्टि व अमानवीयता बढ़ना, ऐसे दोष भी विश्व में सर्वत्र उजागर हुए हैं । इन दोषों की बाधा हमें न हों तथा अभी अमेरिका ने अपने स्वयं के हित को आधार बनाकर जो आयात शुल्क नीति चलायी उसके चलते, हमको भी कुछ बातों का पुनर्विचार करना पड़ने वाला है । विश्व परस्पर निर्भरता पर जीता है । परंतु स्वयं आत्मनिर्भर होकर, विश्व जीवन की एकता को ध्यान में रखकर हम इस परस्पर निर्भरता को अपनी मजबूरी न बनने देते हुए अपने स्वेच्छा से जिएं, ऐसा हमको बनना पड़ेगा । स्वदेशी तथा स्वावलंबन को कोई पर्याय नहीं है ।

जड़वादी पृथगात्म दृष्टि पर आधारित विकास की संकल्पना को लेकर जो विकास की जड़वादी व उपभोगवादी नीति विश्व भर में प्रचलित है उसके दुष्परिणाम सब ओर उत्तरोत्तर बढ़ती मात्रा में उजागर हो रहे हैं । भारत में भी वर्तमान में उसी नीति के चलते वर्षा का अनियमित व अप्रत्याशित वर्षामान, भूस्खलन, हिमनदियों का सूखना आदि परिणाम गत तीन-चार वर्षो में अधिक तीव्र हो रहे हैं । दक्षिण पश्चिम एशिया का सारा जलस्रोत हिमालय से आता है । उस हिमालय में इन दुर्घटनाओं का होना भारतवर्ष और दक्षिण एशिया के अन्य देशों के लिए खतरे की घंटी माननी चाहिए ।

गत वर्षों में हमारे पड़ोसी देशों में बहुत उथल-पुथल मची है । श्रीलंका में, बांग्लादेश में और हाल ही में नेपाल में जिस प्रकार जन-आक्रोश का हिंसक उद्रेक होकर सत्ता का परिवर्तन हुआ वह हमारे लिए चिंताजनक है । अपने देश में तथा दुनिया में भी भारतवर्ष में इस प्रकार के उपद्रवों को चाहनेवाली शक्तियाँ सक्रीय हैं । शासन प्रशासन का समाज से टूटा हुआ सम्बन्ध, चुस्त व लोकाभिमुख प्रशासकीय क्रिया-कलापों का अभाव यह असंतोष के स्वाभाविक व तात्कालिक कारण होते हैं । परन्तु हिंसक उद्रेक में वांच्छित परिवर्तन लाने की शक्ति नहीं होती । प्रजातांत्रिक मार्गो से ही समाज ऐसे आमूलाग्र परिवर्तन ला सकता है । अन्यथा ऐसे हिंसक प्रसंगों में विश्व की वर्चस्ववादी ताकतें अपना खेल खेलने के अवसर ढूँढे, यह संभावना बनती है । यह हमारे पड़ोसी देश सांस्कृतिक दृष्टि से तथा जनता के नित्य संबंधों की दृष्टि से भी भारत से जुड़े हैं । एक तरह से हमारा ही परिवार है । वहाँ पर शांति रहे, स्थिरता रहे, उन्नति हो, सुख और सुविधा की व्यवस्था हो, यह हमारे लिए हमारे हितरक्षण से भी अधिक हमारी स्वाभाविक आत्मीयताजन्य आवश्यकता है ।

विश्व में सर्वत्र ज्ञान-विज्ञान की प्रगति, सुख-सुविधा तकनीकी का मनुष्य जीवन में कई प्रकार की व्यवस्थाओं को आरामदायक बनाने वाला स्वरूप, संचार माध्यमों व आंतरराष्ट्रीय व्यापार के कारण दुनिया के राष्ट्रों में बढ़ी हुई निकटता जैसे परिस्थिति का सुखदायक रूप दिखता है । परन्तु विज्ञान एवं तकनीकी की प्रगति की गति व मनुष्यों की इन से तालमेल बनाने की गति इस में बड़ा अंतर है । इसलिए सामान्य मनुष्यों के जीवन में बहुत सारी समस्याएँ उत्पन्न होती दिखाई दे रही हैं । वैसे ही सर्वत्र चल रहे युद्धों सहित अन्य छोटे बड़े कलह, पर्यावरण के क्षरण के कारण प्रकृति के उग्र प्रकोप, सभी समाजों में तथा परिवारों में आई हुई टूटन, नागरिक जीवन में बढ़ता हुआ अनाचार व अत्याचार ऐसी समस्याएँ भी साथ में चलती हुई दिखाई देती हैं । इन सबके उपाय के प्रयास हुए हैं परंतु वे इन समस्याओं की बढ़त को रोकने में अथवा उनका पूर्ण निदान देने में असफल रहे हैं । मानव मात्र में इसके चलते आई हुई अस्वस्थता, कलह और हिंसा को और बढ़ाते हुए, सभी प्रकार के मांगल्य, संस्कृति, श्रद्धा, परंपरा आदि का संपूर्ण विनाश ही, आगे अपने आप इन समस्याओं को ठीक करेगा, ऐसा विकृत और विपरीत विचार लेकर चलने वाली शक्तियों का संकट भी, सभी देशों में अनुभव में आ रहा है । भारतवर्ष में भी कम-अधिक प्रमाण में इन सब परिस्थितियों को हम अनुभव कर रहे हैं । अब विश्व इन समस्याओं के समाधान के लिए भारत की दृष्टि से निकले चिंतन में से उपाय की अपेक्षा कर रहा है । हम सब की आशा और आश्वस्ति बढाने वाली बात यह है कि अपने देश में सर्वत्र तथा विशेषकर नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना अपने संस्कृति के प्रति आस्था व विश्वास का प्रमाण निरंतर बढ़ रहा है । संघ के स्वयंसेवकों सहित समाज में चल रही विविध धार्मिक, सामाजिक संस्थाएं तथा व्यक्ति समाज के अभावग्रस्त वर्गों की निःस्वार्थ सेवा करने के लिए अधिकाधिक आगे आ रहे है, और इन सब बातों के कारण समाज का स्वयं सक्षम होना और स्वयं की पहल से अपने सामने की समस्याओं का समाधान करना व अभावों की पूर्ति करना बढ़ा है । संघ के स्वयंसेवकों का यह अनुभव है कि संघ और समाज के कार्यों में प्रत्यक्ष सहभागी होने की इच्छा समाज में बढ़ रही है ।

आयुष मंत्रालय ने राष्ट्रीय धन्वंतरि आयुर्वेद पुरस्कार 2025 प्रदान किए

प्रो. बनवारी लाल गौर, वैद्य नीलकंधन मूस ई.टी. और वैद्य भावना पराशर को आयुर्वेद में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया

शिक्षा, पारंपरिक ज्ञान और अनुसंधान के माध्यम से आयुर्वेद को उन्नत करने के लिए पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया

पीआईबी

आयुष मंत्रालय ने प्रो. बनवारी लाल गौर, वैद्य नीलकंधन मूस ई.टी. और वैद्य भावना प्रशर को शैक्षणिक, पारंपरिक और वैज्ञानिक क्षेत्रों में आयुर्वेद के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय धन्वंतरि आयुर्वेद पुरस्कार 2025 से पुरस्कृत किया। ये पुरस्कार उन्हें सम्मानित करते हैं जिन्होंने आयुर्वेद के प्रचार, संरक्षण और उन्नति में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। इस वर्ष के पुरस्कार विजेता शास्त्रीय विद्वता, जीवंत परंपरा और वैज्ञानिक नवाचार के अनूठे संगम का प्रतिनिधित्व करते हैं।

प्रो. बनवारी लाल गौर: भाषा और साहित्य के माध्यम से आयुर्वेद का सशक्तिकरण

प्रख्यात विद्वान और शिक्षाविद् प्रो. बनवारी लाल गौर ने आयुर्वेदिक शिक्षा और संस्कृत विद्वत्ता में योगदान देते हुए छः दशकों से अधिक समय बिताया है। उन्होंने 31 किताबें और 300 से अधिक अकादमिक कृतियां लिखी हैं, जिनमें संस्कृत में 319 प्रकाशन शामिल हैं। 24 पीएचडी विद्वानों और 48 स्नातकोत्तरों का मार्गदर्शन आयुर्वेद के शैक्षणिक भविष्य को आकार देने में उनकी भूमिका को दर्शाता है।

आयुर्वेदिक साहित्य और शिक्षा में उनके योगदान के लिए उन्हें राष्ट्रपति सम्मान समेत कई राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए हैं।

इस सम्मान पर विचार करते हुए, प्रो. गौर ने कहा, ÷राष्ट्रीय धन्वंतरि आयुर्वेद पुरस्कार 2025 प्राप्त करना एक ऐसा सम्मान है, जिसे मैं आयुर्वेद और संस्कृत की सामूहिक भावना के प्रतिबिंब के तौर पर, अत्यंत विनम्रता के साथ स्वीकार करता हूं। मैं आयुष मंत्रालय को मेरे आजीवन योगदान को मान्यता देने और आयुर्वेद के शैक्षणिक एवं साहित्यिक आयामों को पोषित करने के लिए उसकी दृढ़ प्रतिबद्धता के लिए हृदय से धन्यवाद देता हूं। यह पुरस्कार केवल एक व्यक्तिगत मान्यता नहीं है, बल्कि हमारी साझी परंपरा का उत्सव है। मुझे आशा है कि यह युवा विद्वानों को उत्साह, ईमानदारी और ज्ञान के प्रति सम्मान के साथ आयुर्वेद की मशाल को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगा÷।

वैद्य नीलकंधन मूस ई.टी.: केरल की चिकित्सा धरोहर के संरक्षक वैद्यरत्नम समूह के प्रमुख, वैद्य नीलकंधन मूस ई.टी., 200 वर्ष पुरानी आयुर्वेदिक विरासत वाले परिवार की आठवीं पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे 100 से अधिक चिकित्सकों की एक टीम का नेतृत्व करते हैं और उन्होंने केरल की शास्त्रीय आयुर्वेदिक पद्धतियों को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर फैलाने में योगदान दिया है। उनकी पहलों में मर्मयानम और वज्र जैसे सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम और पंचकर्म पर एक व्यावहारिक पुस्तक शामिल है।

राज्यपाल श्री डेका ने विजयादशमी के अवसर पर राजभवन में शस्त्र पूजन और हवन किया

रायपुर, /राज्यपाल श्री रमेन डेका एवं राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी आज विजयादशमी के अवसर पर राजभवन में आयोजित शस्त्र पूजन और हवन में शामिल हुए। उन्होंने इस अवसर पर देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। राजभवन परिसर में विधिवत् शस्त्र पूजा की गई। राज्यपाल ने राजभवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विजयादशमी और दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दी।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने संकल्प, 1 अणे मार्ग, पटना में 4,233 करोड़ रुपये की लागत वाली जन सुविधाओं और विकास से संबंधित योजनाओं का रिमोट के माध्यम से शिलान्यास, उद्घाटन और लोकार्पण किया।

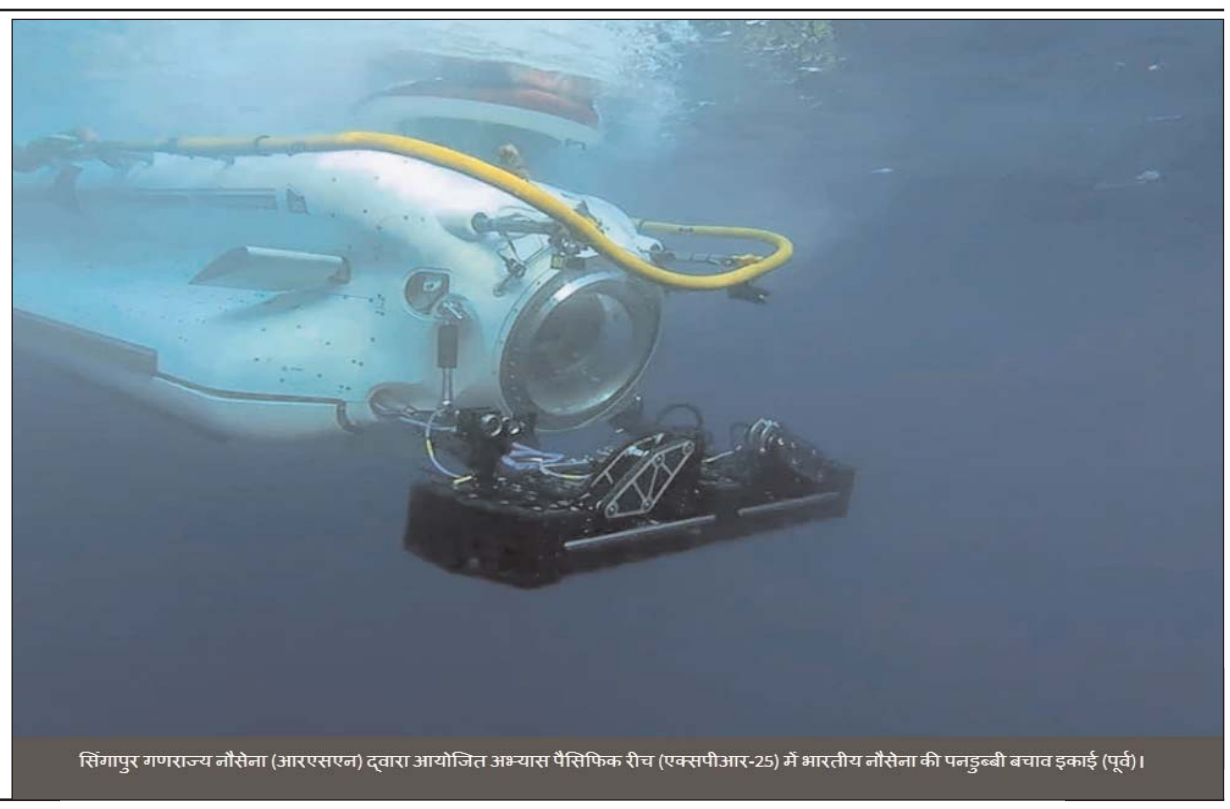

सिंगापुर गणराज्य नौसेना (आरएसएन) द्वारा आयोजित अभ्यास पैसिफिक रीच (एक्सपीआर-25) में भारतीय नौसेना की पनडुब्बी बचाव इकाई (पूर्व)।

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने 5वें विशेष अभियान के तहत स्वच्छता और सुशासन को प्राथमिकता दी

एजेंसी

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने अपने अधीनस्थ कार्यालयों और सार्वजनिक उपक्रमों के साथ मिलकर लंबित मामलों के निपटान हेतु 5वें विशेष अभियान के अंतर्गत महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं। अभियान का विषय ÷स्वच्छता को संस्थागत बनाना और लंबित मामलों में कमी लाना है÷। इस पहल का उद्देश्य कार्यकुशलता बढाना, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना और नागरिक-केंद्रित शासन को सुदृढ़ बनाना है। यह अभियान सभी कार्यालयों में स्वच्छता, फ़ाइल प्रबंधन, शिकायत निवारण और ई-कचरा निपटान पर केंद्रित है। स्वच्छता अभियान के तहत, विभाग के सभी कार्यालयों में सफ़ाई के लिए 933 स्थानों की पहचान की गई है। इसका उद्देश्य कार्यस्थल को अधिक स्वच्छ और व्यवस्थित बनाना है। विभाग अनुपयोगी वस्तुओं की पहचान और उनके निपटान पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिससे राजस्व सृजन और कार्यालयों में अधिक स्थान बनाने में मदद मिले।

अभियान के दौरान शीघ्र समाधान हेतु निम्नलिखित लंबित मामलों की पहचान की गई है:

समीक्षा के लिए 76707 भौतिक फ इलें और 5660 ई-फाइलें चिन्हित की गई हैं 71055 अनुपयुक्त फाइलों की समीक्षा कर और उन्हें हटाने के लिए चिह्नित किया गया है इस अभियान के तहत अभी पीएमओ संदर्भ, नियमों/प्रक्रियाओं में ढील या अंतर-मंत्रालयी संदर्भ लंबित नहीं हैं। पर किसी भी नए मामले की निकटता से निगरानी रखी जा रही है। विभाग को विश्वास है कि 5वें विशेष अभियान के अंतर्गत निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी निर्धारित लक्ष्य पूरे कर लिए जाएंगे।

आईएनएस सतलुज मॉरीशस में 18वें संयुक्त हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण मिशन के लिए पोर्ट लुईस पहुंचा

एजेंसी। भारतीय नौसेना का विशेष हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण पोत आईएनएस सतलुज 29 सितंबर 2025 को मॉरीशस में 18वां संयुक्त हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण करने के लिए पोर्ट लुईस पहुंचा । यह मिशन इस वर्ष के आरंभ में आयोजित हाइड्रोग्राफी पर 14वीं संयुक्त समिति की बैठक के दौरान हस्ताक्षरित हाइड्रोग्राफी पर दीर्घकालिक द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन के ढांचे के तहत संचालित किया जा रहा है । वर्तमान सर्वेक्षण मिशन लगभग 35,000 वर्ग समुद्री मील के विस्तृत क्षेत्र को कवर करेगा। क्षमता निर्माण प्रयासों के एक भाग के रूप में, मॉरीशस के विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारी जल सर्वेक्षण डेटा संग्रह और प्रसंस्करण में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए जहाज पर सवार होंगे । मॉरीशस में आईएनएस सतलुज की तैनाती उन्नत वैज्ञानिक सहयोग और रणनीतिक समुद्री संबंधों के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि है। यह गहन समुद्री सहयोग को दर्शाता है, जिसका उद्देश्य नौवहन सुरक्षा को बढ़ाना, समुद्री संसाधनों का सतत प्रबंधन और हिंद महासागर क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाना है ।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

ठा.श्रवण सिंह के अध्यक्ष बनने पर सभापति दिया बधाई : राजपूत समाज के लगातार दूसरी बने अध्यक्ष

जांजगीर-चाम्पा। राजपूत समाज के ठाकुर श्रवण सिंह को दूसरी बार सर्वसम्मति से निर्विरोध जिला अध्यक्ष चुना गया। अध्यक्ष चुनने उपरांत राजपूत क्षत्रिय समाज सेवा समिति द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन जिला मुख्यालय जांजगीर स्थित टीएस प्लाजा में रखा गया। दूसरी बार नवनिर्वाचित अध्यक्ष बनने उपरांत जिला पंचायत जांजगीर-चाम्पा के सभापति राजकुमार साहू ने समाज सेवी श्रवण सिंह ठाकुर का साल श्रीफल भेंट कर उन्हें बधाई दिये। इस दौरान सभापति राजकुमार साहू ने कहा कि ठाकुर श्रवण सिंह राजपूत समाज के लगातार अध्यक्ष बनने से समाज को एक नयी दिशा मिलेगा और समाज के युवाओं के एक नयी ऊर्जा मिलेगी। इस दौरान विशेष रूप से राजपूत समाज के प्रांताध्यक्ष ठाकुर देवेश सिंह मौजूद रहे।

परियोजना पामगढ़ अंतर्गत 02 सहायिका पद पर भर्ती हेतु 22 अक्टूबर तक आवेदन आंमत्रित

जांजगीर-चांपा एकीकृत बाल विकास परियोजना पामगढ़ अंतर्गत 02 सहायिकाओं के पद पर भर्ती हेतु 22 अक्टूबर 2025 तक आवेदन आंमत्रित किया गया है। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना पामगढ़ ने बताया कि 22 अक्टूबर 2025 के बाद आवेदन कार्यालय में नही लिये जा सकेगे। आवेदन की विस्तृत जानकारी हेतु एकीकृत बाल विकास परियोजना पामगढ़ की सूचना पटल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पामगढ़ एवं संबंधित ग्राम पंचायत के सूचना पटल से प्राप्त की जा सकती है।

वित्तीय अनियमितता के चलते ग्राम पंचायत लच्छनपुर के सचिव को किया गया निलंबित जांजगीर-चांपा 29 सितम्बर 2025/ ग्राम पंचायत लच्छनपुर के सचिव श्री रमाशंकर कश्यप को वित्तीय अनियमितताओं के चलते निलंबित कर दिया गया है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत बम्हनीडीह के द्वारा गठित जांच दल ने पाया कि पंचायत के 13 कार्यों में लगभग 6 लाख 55 हजार 324 रुपए की राशि का अनियमित व्यय किया गया है। कई स्थलों पर कार्य नहीं पाए गए। इस पर सचिव से स्पष्टीकरण मांगा गया था, किंतु उनका जवाब संतोषजनक नहीं मिला। जांच में यह साबित हुआ कि सचिव ने अपने कर्तव्यों का सही निर्वहन नहीं किया और गंभीर लापरवाही बरती है। सचिव द्वारा अपने पदीय कर्तव्यों का समुचित निर्वहन नहीं किया गया है तथा उन्होंने वित्तीय अनियमितता की है। यह आचरण घोर उदासीनता, लापरवाही, स्वेच्छाचारिता एवं वरिष्ठ अधिकारियों की अवहेलना की श्रेणी में आता है, जो छत्तीसगढ़ पंचायत (आचरण) नियम 1998 के विपरीत है।

कांग्रेस कार्यकर्ता जांजगीर में करेंगे विद्युत कार्यालय का घेराव आज

जांजगीर चांपा /। प्रदेश के भाजपा सरकार द्वारा पूर्व सरकार द्वारा लागू किए गए हाफ बिजली बिल योजना बंद करने एवं बिजली बिल में बेतहाशा वृद्धि करने के विरोध में तथा बिजली बिल में कमी करने एवं पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के बिजली बिल हाफ योजना को पुनः प्रारंभ करने की मांग को लेकर प्रदेश कांग्रेस के निर्देश पर जिला कांग्रेस द्वारा जांजगीर चांपा विधायक ब्यास कश्यप, कार्यकारी जिला कांग्रेस अध्यक्ष रमेश पैगवार, एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं के नेतृत्व में 3अक्टूबर शुक्रवार को दोपहर एक बजे से जांजगीर भाठापारा स्थित हॉकी ग्राउंड में एकत्रित होकर प्रदर्शन करते हुए बिजली कार्यालय का घेराव कर मुख्यमंत्री के नाम पर ज्ञापन सौपा जाएगा । समस्त कांग्रेसजनों, नागरीको, नगरीय निकाय, त्रिस्तरीय पंचायती राज के जन प्रतिनिधियों , समस्त पदाधिकारियों को उपस्थित होने की अपील जिला कांग्रेस के कार्यकारी जिला कांग्रेस अध्यक्ष रमेश पैगवार ने किया है ।

जांजगीर में कांग्रेस जनों ने मनाई गांधी जी एवं शास्त्री जी की जयंती

जांजगीर चांपा / राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 156 वीं जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री जी की 121 वीं जयंती अवसर पर 2 अक्टूबर को जिला कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रमेश पैगवार के संयोजकत्व में जांजगीर में गांधी जी के प्रतिमा स्थल के पास प्रार्थना सभा एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम में जांजगीर चांपा विधायक व्यास कश्यप, कार्यकारी जिला कांग्रेस अध्यक्ष रमेश पैगवार, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश शर्मा, प्रदेश कांग्रेस सचिव गिरधारी यादव,वरिष्ठ कांग्रेसी देवेश सिंह,जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष विवेक सिसोदिया, महामंत्री शिशिर द्विवेदी, नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष भगवान दास गढ़वाल, द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी तथा पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय शास्त्री जी के आदर्शों, जीवनी, त्याग, बलिदान एवं राष्ट्र हित में उनके द्वारा दिए गए योगदान पर विचार व्यक्ति किये ।

कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वर्गीय महात्मा गांधी जी के प्रतिमा एवं स्वर्गीय शास्त्री जी के तेल चित्र पर माल्यार्पण कर धूप दीप प्रज्वलित किया गया, कार्यक्रम का संचालन रफीक सिद्दकी ने एवं आभार प्रदर्शन सेवादल के जिला अध्यक्ष देवकुमार पाण्डेय ने किया ।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ परस शर्मा, राघवेंद्र सिंह, अजीत सिंह राणा, ऋषिकेश उपाध्याय,परमेश्वर निर्मले, सुखराम गरेवाल ,रामविलास राठौर, मुस्कान परवीन, पार्षद जगदीश्वरी सूर्यवंशी, श्रीमती वर्षा सिंह, श्रीमती हेमलता राठौर, सलीम सिद्धकी, राइस किंग खुटे, संतोष बबई गढ़वाल , चंद्र कुमार ओग्रे, अशोक सोनवानी, विजय गढवाल, मो. शरीफ कुरैशी, रवि सूर्यवंशी, सफीक खान, अतिक कुरैशी, देवी राठौर, व्यास नारायण, महेत्तर लाल कश्यप, चोलाराम कश्यप, नरसिम्हा यादव आदि प्रमुख रूप से उपस्थित हुए ।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर ग्राम पंचायतों में हुई विशेष ग्राम

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने ग्रामवासियों के बीच ज़मीन पर बैठकर सुनी उनकी बातें

जांजगीर-चांपा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया।कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे जनपद पंचायत बलौदा की ग्राम पंचायत रैनपुर में ग्रामीणों के बीच पहुंचे और ज़मीन पर बैठकर ग्राम सभा में शामिल हुए। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं व सुझाव सुने तथा कहा कि ग्राम सभा लोकतांत्रिक व्यवस्था की मूल इकाई है, जहां ग्रामीण स्वयं अपने गांव की प्राथमिकताओं का निर्णय लेते हैं।कलेक्टर ने कहा कि ग्राम सभा में हर ग्रामीण की भागीदारी जरूरी है ताकि विकास योजनाएं गांव की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप बनाई जा सकें। प्रशासन की प्राथमिकता है कि योजनाओं को ग्रामीणों की सहभागिता से धरातल पर उतारा जाए।

कलेक्टर ने ग्राम सभा में आदि कर्मयोगी, आदि सहयोगी एवं आदि साथी के नाम मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के 'एक पाती' संदेश का वाचन किया। इसके बाद स्वच्छता अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाली स्वच्छता दीदियों और आदि सहयोगी महिलाओं का सम्मान करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया।

ग्राम सभा में महात्मा गांधी नरेगा योजना, आदि कर्मयोगी अभियान, ग्राम पंचायत विकास योजना, बाल विवाह मुक्त पंचायत और अन्य सामाजिक व विकास से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।गांव के बुजुर्गों और महिलाओं ने कलेक्टर के ग्रामीणों के बीच ज़मीन पर बैठकर चर्चा करने की सराहना की और कहा कि इससे प्रशासन और जनता के बीच विश्वास और आत्मीयता बढ़ी है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गोकुल रावटे ने बताया कि ग्राम सभाओं में वित्तीय वर्ष की योजनाओं के अलावा ग्राम पंचायत के आय-व्यय का ब्यौरा, स्वीकृत एवं प्रगति पर चल रहे कार्यों की जानकारी भी ग्रामीणों को दी गई। इस अवसर पर रैनपुर ग्राम पंचायत को बाल विवाह मुक्त पंचायत घोषित किया गया। साथ ही गांव को प्लास्टिक मुक्त और नशा मुक्त बनाने के प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित किए गए।

ग्राम पंचायत में धरती आबा अंतर्गत विलेज एक्शन प्लान को भी मंजूरी दी गई, जिसमें नए पंचायत भवन, आंगनबाड़ी भवन, मिडिल स्कूल भवन, पीडीएस गोदाम, स्ट्रीट लाइट, उद्यान सिंचाई एवं अन्य विकास कार्य शामिल किए गए।

शिक्षा की गुणवत्ता सुधार के लिए मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान को प्रभावी बनाने हेतु सामाजिक अंकेक्षण करने का प्रस्ताव पारित हुआ। वहीं, सभी ग्रामीण परिवारों को आयुष्मान कार्ड, आधार लिंक बैंक खाता, राशन कार्ड एवं वृद्धावस्था पेंशन जैसी योजनाओं की जानकारी भी दी गई।ग्राम सभा में सरपंच, पंच, जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

दशहरा पर्व के अवसर पर शस्त्रों का एसपी विजय कुमार पाण्डेय ने विधि विधान से किए पूजा अर्चना

थाना चौकियों में भी शस्त्रों का प्रभारियों द्वारा किया गया पूजा

जांजगीर चांपा / आज दिनांक 2 अक्टूबर को सुबह पुलिस लाइन जांजगीर में दशहरा पर्व के अवसर पर शस्त्रों का विधि विधान से पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय द्वारा पूजा अर्चना की गई । इस दौरान

अति पुलिस अधीक्षक जांजगीर उमेश कुमार कश्यप, अति पुलिस अधीक्षक जांजगीर यातायात उदयन बेहार, एसडीओपी चांपा यदुमनी सिदार, एसडीओपी अकलतरा प्रदीप सोरी, सीएसपी जांजगीर सुश्री योगिताबाली खापर्डे, रक्षित निरीक्षक प्रदीप कुमार जोशी, निरीक्षक मणिकांत पाण्डेय थाना प्रभारी जांजगीर, निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी थाना प्रभारी शिवरीनारायण तथा पुलिस कार्यालय से एएसआई (अ) कृष्णा साहू सहित पुलिस लाइन के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कलेक्टर महोबे ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर किया नमन

जांजगीर-चांपा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर आज कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट परिसर स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचार समाज को दिशा देने के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने सभी से समानता और अहिंसा के मार्ग पर चलने का संकल्प लेने की अपील की।उन्होंने कहा कि गांधीजी के विचारों को आत्मसात कर हम समाज में शांति, सद्भावना और स्वच्छता के संदेश को आगे बढ़ा सकते हैं। इस अवसर पर एसडीएम,तहसीलदार सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे और महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।

श्रद्धा भक्ति पूर्वक मनाया गया गद्दी महोत्सव शिवरीनारायण मठ में

शमी पूजन के लिए निकला भव्य शोभायात्रा जनकपुरी तक

जांजगीर चांपा /

धर्म एवं आध्यात्म की पावन नगरी शिवरीनारायण में आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी तदनुसार दशहरा के पावन अवसर पर गद्दी महोत्सव परंपरागत रूप से श्रद्धा भक्ति पूर्वक मनाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज शाम 5:00 बजे शिवरीनारायण मठ पहुंचे यहां उनका आयोजन स्थल से ही बाजे- गाजे के साथ स्वागत करते हुए उन्हें मठ मंदिर तक ले जाया गया। दर्शन पूजन संपन्न होने के उपरांत शाम 6:00 बजे शोभा यात्रा जनकपुरी (जोगी डीपा) के लिए रवाना हुआ?।

मार्ग में शौर्य प्रदर्शन

शोभायात्रा पुरानी हटरी, मध्य नगरी चौक, हनुमान मंदिर, मेला ग्राउंड होते हुए जनकपुरी तक पहुंचा पूरे मार्ग में मठ मंदिर के कर्मचारियों ने जगह-जगह पर अपना शौर्य प्रदर्शन किया। जो लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया।

जनकपुरी में की गई शमी पूजन

शोभा यात्रा जनकपुरी पहुंचने के पश्चात परंपरागत रूप से शमी वृक्ष की पूजा वैदिक ऋृति से मंत्रोचार के साथ किया गया। लोगों ने इसके परिक्रमा करके पूजन संपन्न होने के पश्चात एक दूसरे को शमी पत्र भेंट कर अभिवादन किया।

श्री हनुमान जी का दर्शन पूजन

जनकपुरी में सदियों से विराजित श्री हनुमान जी महाराज का विधिवत पूजा अर्चना परंपरागत रूप से किया गया। लोगों ने उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया।

गद्दी पर विराजित हुए राजेश्री महन्त जी

शोभा यात्रा के पुनः मठ पहुंचने के पश्चात होम हवन का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ अंततः राजेश्री महन्त जी महाराज अपने सहयोगियों सहित गद्दी स्थल की साथ परिक्रमा पूर्ण करने के बाद भगवान शिवरीनारायण को नमन करके गद्दी पर विराजित हुए लोगों ने दर्शन पूजन कर महाराज श्री से आशीर्वाद प्राप्त करके पुण्य लाभ अर्जित किया। यह सिलसिला समाचार लिखे जाने तक जारी था।

भगवान शिवरीनारायण के दरबार में उपस्थित हुए राजेश्री महन्त जी

महोत्सव संपन्न होने के पश्चात राजेश्री महन्त जी महाराज अपने सहयोगियों सहित भगवान शिवरीनारायण के दरबार में उपस्थित हुए उन्होंने पूजा अर्चना करके भगवान से संपूर्ण लोक के कल्याण की कामनाएं की।

देर रात्रि तक लोग मिलने के लिए शिवरीनारायण मठ पहुंचे

शिवरीनारायण व्यावसायिक नगर है यहां के प्रतिष्ठित नागरिकों का देर रात्रि तक मठ पहुंचने का क्रम जारी था वे महाराज जी से सौजन्य भेट मुलाकात कर आशीर्वाद प्राप्त करते गए।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मठ मंदिर के मुख्तियार सुखराम दास जी, त्यागी जी महाराज, टुकराम वर्मा, सहित सहित मठ मंदिर के सभी अधिकारी कर्मचारी गण जी -जान से लगे हुए थे। भव्य आकर्षक पंडाल निर्माण, विद्युत एवं साउंड व्यवस्था प्रशंसनीय था पुलिस प्रशासन ने भी लोगों को नियंत्रित करने में काफी सहयोग किया।

कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट जन कार्यक्रम में दूर दराज के क्षेत्र से आए हुए संत महात्माओं के अतिरिक्त वीरेंद्र तिवारी, हेमंत दुबे, निरंजन लाल अग्रवाल, पूर्णेन्द्र तिवारी, सुबोध शुक्ला, देवलाल सोनी, कमलेश सिंह, प्रमोद सिंह, रामचरण कार्ष, बृजभान सिंह, सीताराम शर्मा, उदय राम केवट, ओमप्रकाश सुल्तानिया, भुवन दास वैष्णव,गजेंद्र दास वैष्णव,पिन्टु भठ्ठ, नटवर अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, राहुल थवाईत, प्रकाश बंशल,भगत राम शर्मा,गेंदूराम आदित्य, पुरेंद्र सोनी, भूपेंद्र पाण्डेय, खगेंद्र पांडे, राजू शर्मा, जे आर कश्यप, कौशिक जी, रामकृष्ण साहू, मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव सहित अनेक गणमान्य नागरिक गण सम्मिलित हुए।

नैला में होगा नवधा रामायण का आयोजन

जांजगीर चांपा

/ श्री शिव शक्ति धर्म सेवा समिति नैला द्वारा 05 अक्टूबर से 13 अक्टूबर 2025 तक नवधा रामायण का आयोजन किया जा रहा है। श्री शिव शक्ति धर्म सेवा समिति के अध्यक्ष एवं जांजगीर-चांपा विधायक ब्यास कश्यप ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री राम मंदिर रेलवे स्टेशन नैला के सामने नवधा रामायण का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे धार्मिक आयोजन से हमारी युवा पीढ़ी सीख लेती है तथा उनमें नैतिक मूल्यों का विकास होता है। सामाजिक सद्भावना बनाये रखने के लिए एवं युवा पीढ़ी को चारित्रिक पतन से बचाने के लिए ऐसे धार्मिक आयोजन अत्यावश्यक हैं। राम चरित मानस मनुष्य को जीवन जीने की कला सीखाती है। उन्होंने कहा कि राम चरित मानस में युवा पीढ़ी के लिए जीवन मूल्यों, त्याग, मर्यादा और संघर्ष में धैर्य रखने की सीख है, जो आज भी प्रासंगिक है। यह ग्रंथ भगवान श्री राम के चरित्र के माध्यम से परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का आदर्श प्रस्तुत करता है, जिससे आज की युवा पीढ़ी प्रेरणा ले सकती है। यह न केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शन देता है बल्कि सामाजिक एवं मानवीय मूल्यों पर भी प्रकाश डालता है। यह चरित्र निर्माण एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में आवश्यक है।

श्री कश्यप ने आगे बताया कि नवधा में उत्कृष्ट गायन करने वाले मानस मंडलियों के लिए पुरूस्कार की भी व्यवस्था की गई है। प्रथम पुरूस्कार प्राप्त करने वाले 03 मंडलियों को 7001 रू. प्रत्येक को, द्वितीय पुरूस्कार के रूप में 5001 रू. 03 मंडलियों को , तृतीय पुरूस्कार के रूप में 3001 रू. 03 मंडलियों को तथा सांत्वना पुरूस्कार के रूप में 1100 रू. प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दिनांक 11.10.2025 को प्रसिद्ध गायक श्री नीलम जैन की प्रस्तुति होगी जो कि हू-ब-हू बॉलीवुड गायक श्री रविन्द्र जैन की आवाज में गाते हैं। श्री कश्यप ने समस्त क्षेत्रवासियों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पधारकर नवधा रामायण का श्रवण कर पुण्य के भागी बनें।

खास खबर

20 अक्टूबर तक प्रमाण पत्र जमा कराएं निगम के सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारी

कोरबा, नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा अपने समस्त सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारियों, पेंशनरों से कहा गया है कि वे जीवित प्रमाण पत्र तीन-तीन प्रतियों में 20 अक्टूबर 2025 तक नगर निगम कार्यालय कोरबा के साकेत भवन स्थित स्थापना शाखा में अनिवार्य रूप से जमा कराएं ताकि उनके मासिक पेंशन भुगतान में किसी प्रकार का अवरोध उपस्थित न हो।

निगम के उपायुक्त व स्थापना प्रभारी पवन वर्मा ने उक्ताशय की सूचना जारी कर आगे कहा है कि निर्धारित तिथि तक जीवित प्रमाण पत्र जमा नहीं होने पर मासिक पेंशन भुगतान अवरूद्ध होने की समस्त जिम्मेदारी संबंधित सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारियों, पेंशनरों की स्वयं की होगी, अतः उक्त अवधि तक प्रमाण पत्र अवश्य जमा करा देवें।

दैनिक मजदूर की सेवाएं की गई समाप्त

कोरबा, प्राथमिक स्तर आदिवासी बालक आश्रम तुमान विकासखंड करतला में दैनिक मजदूरी पर कार्यरत प्रतिपाल सिंह कंवर द्वारा शराब के नषे में ड्यूटी पर उपस्थित होने के कारण उसकी सेवाएं समाप्त कर दी गई है। कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कोरबा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसारप्राथमिक स्तर आदिवासी बालक आश्रम तुमान विकासखंड करतला में दैनिक मजदूरी पर कार्यरत प्रतिपाल सिंह कंवर शराब का सेवन करके ड्यूटी पर उपस्थित होते हैं एवं कभी-कभी नषे की हालत में बच्चों के बिस्तर पर सोजाते हैं। उन्हें कई बार समझाईस देने के बाद भी उनके कार्यषैली में सुधार नहीं होने तथा आश्रम के बच्चों पर विपरित प्रभाव पड़ने को ध्यान में रखते हुए प्रतिपाल सिंह कंवर की सेवाएं समाप्त कर दी गई है।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियानके अंतर्गत स्वस्थ मॉ दिवस पर आयोजित शिविरों में 9047 हितग्राहियों की स्क्रीनिग

कोरबा,। जिले में 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में में शिविर लगाकर हितग्राहियों का स्वास्थ्य जॉच किया जा रहा है तथा स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं, पोषण आहार तथा स्वस्थ जीवनशैली के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि विकासखण्डों में सोमवार 29 सितंबर को स्वस्थ मॉ दिवस थीम पर स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया साथ ही साथ ही घंटाघर में आयोजित रामलीला, गरबा मैदान स्वास्थ्य विभाग की कॉलोनी, दशहरा मैदान, एनटीपीसी, लाल मैदान सीएसईबी में उपस्थित महिलाओं, किशोरियों एवं बच्चों का स्वास्थ्य जॉच किया गया जिसमें नौ हजार 47 लोगों की विभिन्न बिमारियो की स्क्रीनिग किया गया।

कोरबा का सौभाग्य है कि एक तरफ बनारस की रामलीला तो दूसरी तरफहो रही जगद्गुरू श्रीरामभद्राचार्य की रामकथा – मुख्यमंत्री

भव्य रामलीला आयोजन के लिए महापौर, आयुक्त व आयोजन समिति का किया साधुवाद, उद्योग मंत्री व स्वास्थ्य मंत्री की रही विशेष उपस्थिति

कोरबा, । नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा आयोजित श्रीरामलीला में अपनी गरिमापूर्ण उपस्थिति प्रदान करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह कोरबा का परम सौभाग्य है कि यहॉ नवरात्रि के पावन पर्व पर एक ओर नगर निगम द्वारा आयोजित बनारस की भव्य रामलीला हो रही है, तो वहीं दूसरी ओर जगदुरू श्रीरामभद्राचार्य जी महाराज की रामकथा नगरवासियों को भक्तिरस का रसास्वादन करा रही हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि रामलीला के सुंदर आयोजन के लिए महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, आयुक्त आशुतोष पाण्डेय व आयोजन समिति को साधुवाद देता हूँ। इस मौके पर प्रदेश के उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन व स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल की विशेष उपस्थिति भी रही। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा घंटाघर स्थित डॉ.भीमराव अंबेडकर ओपन थियेटर मैदान में आयोजित श्रीरामलीला में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को आयोजन के तीसरे दिन अपनी गरिमापूर्ण उपस्थिति प्रदान की, उन्होने श्रीराम दरबार की पूजा अर्चना की तथा इस भव्य आयोजन के लिए साधुवाद दिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री साय ने नवरात्रि के पावन पर्व की बधाई देते हुए आगे कहा कि कोरबा के भवानी मंदिर के समीप जगदुरू श्रीरामभद्राचार्य की रामकथा का श्रवण करने व उनका आशीर्वाद प्राप्त करने मैं कोरबा आया हुआ था, इस दौरान उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन व महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने मुझे बताया कि यहॉ निगम द्वारा बनारस की सुप्रसिद्ध रामलीला आयोजित हो रही है, मैंने तुरंत यहॉ आने का निश्चय किया, इस रामलीला के आयोजन में आकर मेरी बचपन की यादें ताजा हो गई। उन्होने कहा कि जगदुरू श्रीरामभद्राचार्य देश के महान संत हैं तथा अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण में उनका बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है, उन्ही की प्रेरणा से भवानी मंदिर के समीप श्रीमती ज्योति पाण्डेय जी के द्वारा सुंदर मंदिर बनाया गया है, जिसमें भगवान श्रीराम बालस्वरूप में मॉ कौशिल्या की गोद में पधारे हुए हैं, उन्होने कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल है तथा माता कौशिल्या का मायका है। उन्होने कहा कि भगवान श्रीराम हमारे आराध्य भी है और हम छत्तीसगढ़वासी उन्हें अपना भांचा भी मानते हैं। कार्यक्रम के दौरान महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, आयुक्त आशुतोष पाण्डेय व आयोजन समिति सदस्यों द्वारा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल का शाल, श्रीफल व श्रीराम दरबार भेंटकर उनका अभिनंदन किया गया। जिस गांव में मंदिर बना है, कौशिल्याधाम होगा उसका नाम - इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि भवानी मंदिर के समीप जिस गांव में माता कौशिल्या की गोद में पधारे भगवान श्रीराम का सुंदर मंदिर बनाया गया है, उस स्थल का नामकरण कौशिल्याधाम के नाम पर हम सबके द्वारा किया गया है, अतः मैं उक्त स्थान का नाम '' कौशिल्याधाम '' किए जाने की घोषणा करता हूँ। श्रीरामलला दर्शन योजना से मिली रामलीला कराने की प्रेरणा - इस मौके पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की ओर मुखातिब होते हुए कहा कि आपके द्वारा प्रदेश के वरिष्ठजनों को भगवान श्रीराम के दर्शन कराए जाने की प्रदेश में क्रियान्वित की गई श्रीरामलला दर्शन योजना से मुझे कोरबा में रामलीला कराने की प्रेरणा मिली, मैंने इस संबंध में उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन जी का मार्गदर्शन लिया तथा निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय से चर्चा की और इस रामलीला आयोजन की पटकथा तैयार हुई।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक हुई आयोजित

कोरबा संवाददाता

निगामायुक्त आशुतोष पांडेय ने विभागावार कार्यों की समीक्षा कर निराकरण हेतु दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

कोरबा, संवाददाता

। कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन में निगम आयुक्त कोरबा आशुतोष पांडेय ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक लेकर शासकीय योजनाओं एवं विभागीय कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन करने एवं आमजनों को प्राथमिकता से लाभांवित करने के निर्देश दिए। बैठक में निगामायुक्त पाण्डेय ने जिले में संचालित शासकीय कार्यो की अद्यतन प्रगति की जानकारी लेते हुए योजनाओं का आमजनों को प्राथमिकता से लाभ पहुँचाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने आमजनों को राहत पहुँचाने हेतु जमीनी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन पर गम्भीरता से ध्यान देने की बात कही।

उन्होंने जिले में आयुष्मान कार्ड, व्यवन्दन कार्ड निर्माण कार्य मे प्रगति लाने एवं शीघ्रता से वंचित लोगों को लाभांवित करने के निर्देश दिए। साथ ही वंचितों के आधार अपडेशन कार्य को भी जल्द से जल्द पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने हाथी प्रभावित क्षेत्रों एवं लो वोल्टेज की समस्या वाले इलाकों में विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु अधिकारियो को निर्देश दिए, जिससे आम जनता को किसी प्रकार की समस्या न हो। युक्तियुक्त करण के पश्चात जॉइन नही करने वाले शिक्षकों पर भी गम्भीरता से कार्यवाही करने की बात कही।

निगामायुक्त ने सभी विभागों को ई ऑफिस के माध्यम से ही सभी फाइलें आगे बढ़ाने के लिए निर्देशित किया। वनाधिकार पट्टा के लम्बित प्रकरणों को भी शीघ्रता से जिला स्तरीय समिति से अनुमोदित कराकर पत्र हितग्राहियों को वितरित कराने की बात कही।उन्होंने आरबीसी 6-4 व सड़क दुर्घटना में होने वाले मृत्यु के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए यथाशीघ्र लंबित आवेदनों की जांच करने दस्तावेजों की पूर्ति कर पीड़ित परिजनों को राहत दिलाने के निर्देश दिए। पाण्डेय ने विभिन्न विभागों में समय सीमा के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए लंबित सभी आवेदनों को जल्द से जल्द जांच कर निराकृत करने हेतु अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व, पंचायत विभाग एवं नगरीय निकाय जैसे विभागों से सम्बंधित टीएल के प्रकरण आमजनों के हितों से जुड़े होते है, इस हेतु इनका निराकरण यथाशीघ्र होनी चाहिए , जिससे लोगों को फायदा मिले एवं उनका शासन प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत बने।

इसी प्रकार उन्होंने कलेक्टर जनदर्शन, मुख्यमंत्री जनदर्शन, पीजीएन पोर्टल, जन शिकायत के विभागों में लंबित सभी प्रकरणों को भी तत्परता से निराकृत करने के लिए निर्देशित किया। इस अवसर पर एसडीएम कटघोरा तन्मय खन्ना, सीईओ जिला पंचायत दिनेश नाग, संयुक्त कलेक्टर मनोज बंजारे, ओंकार यादव, सहित सभी एसडीएम एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

त्यौहारों के बीच जांच के लिए 8 प्रतिष्ठानों से खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने उठाए सैंपल

कोरबा संवाददाता।

कोरबा, जिले में त्यौहारों के बीच 8 प्रतिष्ठानों से खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सैंपल उठा जांच हेतु भेजा। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शॉपर मार्ट निहारिका से मूंगफली का तेल, कृष्णा बिग बाजार बालको से आचार, रिलायंस जियो मार्ट से बेसन व नमक, अन्नपूर्णा ट्रेडर्स कटघोरा से सूजी, अभिषेक जनरल स्टोर कुसमुंडा से सूजी, साबूदाना, वैभव इंटरप्राइजेस छुरी से दलिया, घी व विष्णु जनरल स्टोर जमनीपाली से घी का सैंपल लिया गया। नवरात्र के साथ ही त्यौहारी सीजन की शुरूआत हो गई है। लोग दशहरा व दीपावली पर्व को खास बनाने तैयारी में जुट गए हैं। जिससे बाजारों में रौनक आ गई है। जहां बाजार जेवर, कपड़े व सजावटी सामानों से सज गई है, वहीं खाद्य पदार्थ की बिक्री ने भी रफ्तार पकड़ ली है। त्यौहारी सीजन के आते ही कई दुकानदार मिलावटी सामान को खपाने की तैयारी में जुट जाते हैं, जिसका सीधा असर सेहत पर पड़ता है। जिसकी रोकथाम के लिए खाद्य व सुरक्षा विभाग द्वारा अभियान चलाया जाता है। अब जब दशहरा को महज दो दिन शेष हैं। इसके पखवाड़े भर बाद दीपावली का पर्व है। ऐसे में मिलावटी सामान की बिक्री न हो, इसके लिए खाद्य व सुरक्षा विभाग ने एक बार फिर अभियान छेड़ दिया है। अभियान के पहले दिन खाद्य निरीक्षक विकास भगत की अगुवाई में विभागीय टीम शॉपर मार्ट निहारिका पहुंची, जहां से मूंगफली व सन फ्लावर तेल का सैंपल लिया गया। इसी तरह बालको स्थित कृष्णा बिग बाजार से आचार, टी.पी. नगर के रिलायंस जियो मार्ट से बेसन व नमक, चैतमा के दुकान से तेल, घी, बेसन, अन्नपूर्णा ट्रेडर्स कटघोरा से सूजी, अभिषेक जनरल स्टोर कुसमुंडा से सूजी, साबूदाना, वैभव इंटरप्राइजेस छुरी से दलिया, घी व विष्णु जनरल स्टोर जमनीपाली से घी का सेंपल लिया गया।

बिजली बिल में वृद्धि का युवा कांग्रेस ने किया विरोध

कोरबा संवाददाता

जिले सहित राज्य में बिजली बिलों में हुई अचानक बढ़ोतरी ने आम उपभोक्ताओं के माथे पर चिंता की नई लकीरें खींच दी हैं। इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए और बिजली कार्यालय के बाहर जमकर विरोध-प्रदर्शन किया। गुस्साए कार्यकर्ताओं ने बिजली बिलों की प्रतियां जलाकर सरकार पर ÷जनविरोधी नीतियां÷ अपनाने का आरोप लगाया।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी की। ÷बिजली चोर गद्दी छोड़÷, ÷जनविरोधी सरकार मुर्दाबाद÷ जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। पार्टी नेताओं ने कहा कि पहले ही महंगाई और बेरोजगारी से लोग त्रस्त हैं, ऐसे में बिजली बिलों की बढ़ोतरी ने जनता की कमर तोड़ दी है।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ डाल रही है। उनका कहना था कि गरीब और मध्यम वर्ग का बजट पहले ही चरमराया हुआ है, अब बिजली बिलों की मार ने घरों की रसोई तक प्रभावित कर दी है। युवा कांग्रेस के नेताओं ने जनता से अपील की कि वे इस फैसले के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करें। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि यदि सरकार ने यह फैसला वापस नहीं लिया तो कांग्रेस सड़क से विधानसभा तक उग्र आंदोलन करेगी और जरूरत पड़ने पर इसे पूरे प्रदेश में जनांदोलन का रूप दिया जाएगा।

रिक्त निजी भूखण्डों की गंदगी, शहर की स्वच्छता को कर रही प्रभावित,

कोरबा, संवाददाता

आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने शहर में रिक्त निजी भूखण्डों में पसरी गंदगी पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए संबंधित भूखण्ड मालिकों को नोटिस जारी करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। आयुक्त पाण्डेय ने इन भूखण्डों के मालिकों से समक्ष में चर्चा भी की तथा कहा कि रिक्त भूखण्डों की गंदगी शहर की स्वच्छता को प्रभावित कर रही है एवं शहर को साफ-सुथरा रखने की दिशा में निगम द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयासों को भी झटका लग रहा है, अतः वे इन भूखण्डों की सफाई कराएं, भूखण्डों को सुरक्षित स्वरूप देते हुए यह देखें कि वहॉ पर पुनः गंदगी न फेंकी जाए। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने अपने प्रातः भ्रमण के दौरान रविशंकर नगर जोनांतर्गत विभिन्न आवासीय क्षेत्रों, कालोनियों, मुख्य व संपर्क सड़कों का भ्रमण कर साफ-सफाई कार्यो का जायजा लिया। यहॉ उल्लेखनीय है कि आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के द्वारा नियमित रूप से अधिकारियों की टीम के साथ निगम क्षेत्र के विभिन्न स्थानों, वार्ड व बस्तियों का भ्रमण कर वहॉ की साफ-सफाई व नागरिक सेवाओं व सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं का निरंतर निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज आयुक्त पाण्डेय रविशंकर नगर के वार्ड क्र. 26 की विभिन्न कालोनियों, आवासीय क्षेत्रों, मुख्य मार्गो व संपर्क सड़कों आदि में पैदल भ्रमण करते हुए वहॉ की साफ-सफाई व्यवस्था के साथ ही अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान आवासीय क्षेत्रों में रिक्त निजी भूखण्डों में पसरी गंदगी पर उन्होने अप्रसन्नता व्यक्त की तथा संबंधित भूखण्ड स्वामियों को नोटिस जारी करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस मौके पर आयुक्त पाण्डेय ने कुछ भूखण्ड स्वामियों से समक्ष में चर्चा भी की तथा उन्हें समझाईश देते हुए कहा कि रिक्त भूखण्डों में जमा गंदगी व कचरा शहर की स्वच्छता को प्रभावित कर रहा है, अतः वे भूखण्डें की सफाई कराएं, भूखण्डों को सुरक्षित स्वरूप दें तथा यह देंखे कि वहॉ पर पुनः गंदगी न हों। **डोर-टू-डोर पहुंचकर ली सफाई कार्यो की जानकारी** - भ्रमण के दौरान आयुक्त पाण्डेय ने आवासीय कालोनियों में डोर-टू-डोर पहुंचकर वहॉ के रहवासियों से सीधा संपर्क किया तथा उनसे निगम के सफाई कार्यो पर चर्चा की, उनसे पूछा कि नियमित रूप से सड़क नाली की सफाई की जाती है या नहीं, स्वच्छता दीदियॉ प्रतिदिन नियत समय पर कचरा संग्रहण के लिए उनके घर पहुंचती है या नहीं, जिसका सकारात्मक जवाब रहवासियों द्वारा दिया गया। आयुक्त पाण्डेय ने उनसे अपील करते हुए कहा कि वे घरों से निकले हुए सूखे व गीले कचरे को दो अलग-अलग डस्टबिन में अवश्य संग्रहित करें, कचरे को स्वच्छता दीदियों को ही दें तथा नाली व सड़क पर कचरा न डालें।

पीएम सूर्यघर योजना पर एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

लाभार्थियों के अनुभवों ने बढ़ाया विश्वास, अधिक से अधिक लोग हुए प्रेरित

कोरबा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सभी के लिए ऊर्जा के संकल्प को साकार करने तथा हर घर को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना पर छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल) द्वारा सेवा पखवाड़ा अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन अग्रसेन भवन, कटघोरा में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कटघोरा विधायक श्री प्रेम चंद पटेल ने कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना देश की आम जनता को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। यह योजना न केवल घरों को रोशन कर रही है बल्कि आम उपभोक्ताओं को ऊर्जा उत्पादक में बदलकर आर्थिक रूप से भी सशक्त बना रही है। उन्होंने विस्तार से योजना के उद्देश्यों और लाभों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को निःशुल्क बिजली उपलब्ध कराने का संकल्प लिया गया है। इस योजना से ग्रामीण एवं शहरी दोनों ही क्षेत्रों के लोग लाभान्वित होंगे। प्रत्येक घर की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर घरेलू बिजली की आवश्यकता पूरी की जा सकती है, साथ ही केंद्र और राज्य सरकार की ओर से सब्सिडी भी प्रदान की जाएगी।

पटेल ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की नीतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे भारत को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल है। यह योजना हरित ऊर्जा को बढ़ावा देती है और पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यह योजना भारत को हरित ऊर्जा महाशक्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे न केवल ऊर्जा का समाधान होगा बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से आम परिवारों का बिजली खर्च घटेगा और अतिरिक्त बिजली बेचकर आय का नया स्रोत भी मिलेगा। इस प्रकार यह योजना केवल बिजली उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों को उपभोक्ता से उत्पादक बनने की दिशा में सशक्त बना रही है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि छत्तीसगढ़ शासन ने अपने बजट में इस योजना के लिए विशेष प्रावधान रखकर इसे और गति प्रदान की है।

कार्यशाला में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं शहरी नागरिक उपस्थित हुए। आम नागरिकों ने मौके पर ही योजना में पंजीयन कराया। इस अवसर पर योजना से लाभान्वित लाभार्थियों ने अपने अनुभव भी साझा किए। लाभार्थी श्री श्रवण अज़गले ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से उनकी बिजली की समस्या दूर हुई है और अब उन्हें बिजली बिल की चिंता नहीं करनी पड़ती।अतिरिक्त बिजली बेचकर उन्हें आर्थिक लाभ भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह योजना वास्तव में आम आदमी के जीवन को बदलने वाली है और हर घर को रोशन करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके साथ ही कटघोरा के बाजार मोहल्ला निवासी श्री रामकिशोर अग्रवाल, कारखाना क्षेत्र कटघोरा के श्री रमेश अग्रवाल तथा लखनपुर निवासी श्री संतोष यादव ने कार्यशाला में भाग लेकर योजना का लाभ उठाने हेतु पंजीयन कराया। इन सभी ने अपने घरों में सोलर पैनल स्थापित कराने का निर्णय लिया। अधिकारियों ने बताया कि शीघ्र ही इनके घरों में सोलर पैनल इंस्टॉल कर दिए जाएंगे, जिससे ये परिवार न केवल अपनी घरेलू जरूरत की बिजली स्वयं उत्पन्न करेंगे बल्कि अतिरिक्त बिजली से आय भी प्राप्त कर सकेंगे।

जागरूकता वाहन को दिखाई हरी झंडी

कार्यक्रम के दौरान विधायक श्री प्रेम चंद पटेल ने परिसर से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह जागरूकता वाहन आसपास के गांवों और क्षेत्रों में जाकर लोगों को प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की जानकारी देगा तथा पंजीयन के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि योजनाओं की सफलता तभी संभव है जब उनकी जानकारी सही समय पर और सही तरीके से लोगों तक पहुंचे। जागरूकता रथ इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम में एसडीएम तन्मय खन्ना, विद्युत विभाग कोरबा केएसई श्री बी.के. सरकार, बिलासपुर के ईडी श्री ए.के.अबस्ट, सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि, स्थानीय जनप्रतिनिधि, पंचायत स्तर के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं शहरी नागरिक शामिल हुए।

कटघोरा सीएचसी में समय पर नहीं आते डॉक्टर, मरीज परेशान

कोरबा,। जिले के सब डिवीजन मुख्यालय कटघोरा स्थित कम्युनिटी हेल्थ सेंटर में प्रदेश सरकार के द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ोतरी कर दी गई है लेकिन सबसे बड़ी समस्या यह है कि डॉक्टर समय पर नहीं पहुंचते। इसके चलते ओपीडी का संचालन बाधित हो रहा है और मरीज परेशान हो रहे हैं। पिछले कुछ महीनो से कटघोरा के सरकारी अस्पताल में व्यवस्थाएं एक तरह से हासीए पर चली गई है और अव्यवस्था का कब्जा हो गया है। हालात इस प्रकार के बन चुके हैं कि जिन डॉक्टरों की नियुक्ति यहां पर की गई है वह अपने कामकाज के मामले में गंभीरता का प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। खबर के अनुसार व्यवस्था के अंतर्गत ओपीडी में डॉक्टर के बैठने की समय सारणी निर्धारित की गई है लेकिन मरीज का अनुभव इस प्रकार का है कि डॉक्टर अपनी सीट पर पहुंचते ही नहीं। इसके लिए उनकी प्रतीक्षा करनी पड़ती है। ऐसे में उन मरीजों के लिए काफी मुश्किल हो जाते हैं जो या तो दूर से यहां पहुंचते हैं या फिर कामकाजी श्रेणी के होते हैं। जानकारी मिली है कि कम्युनिटी हेल्थ सेंटर में रात्रि कालीन ड्यूटी में भी डॉक्टर की उपस्थिति ना के बराबर होती है। आपात स्थिति में फोन करने के बाद उन्हें यहां बुलवाया जाता है और तब कहीं जाकर मरीजों की समस्या का समाधान हो पाता है। कम्युनिटी हेल्थ सेंटर की व्यवस्था मैं इस कदर फॉल्ट बने होने से खासतौर पर मरीज परेशान है। कहा गया कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी से लेकर आए दिन इसी रास्ते से आना-जाना करने वाले स्वास्थ्य मंत्री को भी इस बारे में जानकारी दी जा चुकी है लेकिन इसके बाद भी यहां के कुप्रबंधन को दूर नहीं किया जा सका है।

रायपुर के डब्ल्यूआरएस कॉलोनी में 101 फीट के रावण का हुआ दहन, लोगों ने कहा- जय श्रीराम

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में हर साल की तरह इस वर्ष भी भव्य तरीके से विजयादशमी का पर्व मनाया गया। इस साल डब्ल्यूआरएस कॉलोनी में छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े 101 फीट के रावण का पुतला का दहन किया गया। प्रदेश के मुखिया सीएम विष्णुदेव साय ने रावण के पुतला को जलाया। वहीं 80-80 फीट के मेघनाद और कुंभकरण के पुतलों का भी दहन किया गया। इस दौरान लोगों ने जय श्रीराम...जय श्रीराम...के नारे लगाये।

अगले वर्ष में 12 लाख पुरुष तेंदूपत्ता संग्राहकों को मिलेगी चरण पादुका

रायपुर, संवाददाता।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने इको पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक विस्तृत कार्य योजना बनाने को कहा है। समीक्षा बैठक लेकर उन्होंने कहा कि बिलासपुर संभाग में देखने, घूमने-फिरने और मनोरंजन के लिए कई आकर्षक केंद्र हैं। इन केन्द्रों तक आसान पहुंच मार्ग और कुछ बुनियादी सुविधाएं विकसित किए जाएं, तो और बड़ी संख्या में लोग पहुंच सकेंगे। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलने के साथ छत्तीसगढ़ की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान भी बढ़ेगी। बैठक में पीसीसीएफ एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव, प्रबंध संचालक, लघु वनोपज सहकारी संघ अनिल साहू, पीसीसीएफ वन्य प्राणी अरुण पाण्डेय सहित अरण्य भवन के एपीसीसीएफ सीसीएफ और वृत्त के सभी वन मंडल के डीएफओ उपस्थित थे। बैठक में विभागीय योजनाओं की वनमंडल वार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने तेंदूपत्ता पारिश्रमिक के बचे हुए भुगतान को दीपावली के पहले करने के निर्देश दिए। अगले वर्ष में लगभग 12 लाख पुरुष संग्राहकों को चरण पादुका का वितरण किया जाएगा। इसके लिए उनके पैर का नाप जोख कर जल्दी भिजवाएं ताकि खरीदी की प्रक्रिया मुख्यालय स्तर से शुरू की जा सके। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन ने बंद पड़ी चरणपादुका योजना को फिर से शुरू की है। इस साल लगभग 12 लाख महिला संग्राहकों को चरण पादुका वितरित किया गया है। कई कार्यों पर जताई खुशी बाघों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि पर खुशी जाहिर की। उन्होंने अचानकमार से लगे क्षेत्रों में बड़े सेलिब्रिटी बुलाकर कार्यक्रम आयोजित प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए।

सभी नागरिकों से राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण में रायपुर शहर को देश में प्रथम रैंकिंग दिलवाने अधिकाधिक संख्या में स्वच्छता फीडबैक देने की विनम्र अपील 0

रायपुर - राजधानी शहर की प्रथम नागरिक रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चैबे, नगर निगम सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़, नगर निगम संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री अमर गिदवानी ने समस्त नगरवासियों को दिनांक 2 अक्टूबर 2025 को विजयादशमी पर्व की अग्रिम हार्दिक शुभकामनायें देते हुए मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के दिव्य श्रीचरणों में समस्त नगरवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और शान्ति प्रदान करने राजधानी शहर रायपुर सहित सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में समृद्धि और खुशहाली लाने कार्य करने सकारात्मक प्रेरणा ऊर्जा शक्ति प्रदान करने की विनम्र प्रार्थना की है. विजयादशमी पर्व असत्य पर सत्य की विजय के उत्सव के रूप में मनाया जाता है. वैदिक मान्यताओं के अनुसार विजयादशमी पर्व को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम द्वारा आसुरी शक्तियों का विनाश कर सम्पूर्ण जगत को शोकमुक्त करने के पर्व के रूप में मनाया जाता है. अतएव विजयादशमी पर्व प्रत्येक नागरिक को जीवन में सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने का एक श्रेष्ठ सुअवसर प्रदान करता है। महापौर श्रीमती मीनल चैबे, सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़, संस्कृति विभाग अध्यक्ष श्री अमर गिदवानी ने सभी नगरवासियों से स्वच्छ भारत मिशन अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण में रायपुर शहर को प्रथम रैंकिंग दिलवाने अधिकाधिक संख्या में स्वच्छता फीडबैक देकर सक्रिय सहभागिता दर्ज करवाने की विनम्र अपील की है।

नगरी का हवन 1 को 12 बजे से प्रारंभ होगा

नगरी, । नव आनंद कला मंदिर नगरी द्वारा आयोजित नगर स्तरीय नवदुर्गा एवं विजयदशमी महोत्सव का हवन एवं पुर्णाहुति 01/10/2025 दिन बुधवार को कार्यक्रम स्थल गांधी चौक राजा बाड़ा में 12:00 बजे से प्रारंभ होगा।नगर पुरोहित पं ठकुरीधर शर्मा के मुखारविंद से दुर्गा सप्तशती के 13 अध्यायों के साथ विशेष पूजा बीज मंत्रों के दिव्य उच्चारण ,विशेष नर्वाण मंत्रोपचार के साथ जंगल से संकलित अनेक प्रकार की ताजी जड़ी बूटियां वाली आहुति और महा आहुति के साथ हवन यज्ञ एवं पुर्णाहुति संपन्न होगा। नगरी के इस सबसे बड़े सार्वजनिक आयोजन के इस अनुष्ठान के लिए आकर्षक हवन कुंड तैयार किया जाता है।इस हवन यज्ञ एवं पुर्णाहुति में नवरात्रि में व्रत रखने वाली माताएं बहनें तथा पुरुष वर्ग भाग लेंगे।नगरी के विशेषताओं से भरपूर इस हवन के प्रति भक्तों में आस्था की विशेष झलक देखी जाती है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

रायपुर।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के हृदय स्थल आजाद चौक स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा और शास्त्री चौक स्थित पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने महात्मा गांधी जी के सिद्धांतों और उनके आदर्शों को याद करते हुए स्वच्छता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने भारत में स्वाधीनता आंदोलन को नई दिशा दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री लाल बहादुर शास्त्री का स्मरण करते हुए कहा कि शास्त्री जी का भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और स्वतंत्र भारत के निर्माण में योगदान अविस्मरणीय है। सत्य, सादगी और अनुशासन से भरे उनके व्यक्तित्व ने पूरे राष्ट्र को दिशा दिखाई। शास्त्री जी ने किसानों और जवानों की शक्ति को राष्ट्र की असली ताकत बताया और ÷जय जवान ङ्क जय किसान÷ का नारा देकर पूरे देश को आत्मनिर्भरता और परिश्रम के मार्ग पर अग्रसर किया। इस अवसर पर विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, छत्तीसगढ़ खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

भिलाई में सीमा सुरक्षा बल ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत वॉकथॉन का सफल आयोजन किया

भिलाई, (आरएनएस)। सीमा सुरक्षा बल (विशेष संक्रिया), छत्तीसगढ़ के सामरिक मुख्यालय, महानिरीक्षक कार्यालय द्वारा आज भिलाई में एक भारत, श्रेष्ठ भारत अभियान के अंतर्गत वॉकथॉन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व उप महानिरीक्षक श्री गिरधारी लाल मीणा (पी.एस.ओ.) के मार्गदर्शन में किया गया। इस वॉकथॉन में बीएसएफके अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी और जवानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आयोजन का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना, विविधताओं में एकता की भावना को बढ़ावा देना और आम नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना था। वॉकथॉन की शुरुआत सामरिक मुख्यालय परिसर से हुई, जो साईं मंदिर चौक, रिसाली चौक, डीपीएस चौक एवं एसएसबी क्षेत्रीय मुख्यालय से होते हुए पुनः मुख्यालय परिसर में समाप्त हुई। प्रतिभागियों ने पूरे मार्ग में जनजागरूकता के नारों और संदेशों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता व स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित किया। सीमा सुरक्षा बल, जो प्रदेश में नक्सल विरोधी अभियानों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय योगदान दे रहा है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत आयोजित यह वॉकथॉन, समाज में समरसता और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल रही।

एनआईटी रायपुर में साहित्यिक और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन

रायपुर,। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर की राजभाषा समिति ने वार्षिक हिंदी उत्सव आह्वान 2025 का समापन 29 सितम्बर 2025 को अभिव्यक्ति कार्यक्रम के साथ किया। इस अवसर पर विविध साहित्यिक और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिनका उद्देश्य अकादमिक परिवेश में हिंदी के प्रयोग और अभिव्यक्ति को प्रोत्साहन देना था।

कार्यक्रम में स्मृति स्पर्धा, पत्र लेखन और कविता वाचन जैसी प्रतियोगिताओं में संकाय सदस्यों और शोधार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्मृति स्पर्धा में प्रतिभागियों की स्मरण शक्ति परखी गई, वहीं पत्र लेखन ने सृजनात्मकता और औपचारिक लेखन कौशल को सामने रखा। मुख्य आकर्षण कविता वाचन रहा, जिसमें देशभक्ति, नैतिकता और स्मृतियों पर आधारित रचनाओं ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

धमतरी जिले में सरस्वती सायकल योजना का सफल क्रियान्वयन, अधिकांश शालाओं में वितरण पूर्ण

धमतरी, धमतरी जिले में राज्य शासन की महत्वाकांक्षी निःशुल्क सरस्वती सायकल योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य शिक्षा से जुड़ी पात्र छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा उपलब्ध कराना है। जिले में योजना के सफल संचालन हेतु जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर विभागीय परीक्षण एवं जांच समिति का गठन किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि समिति के सदस्यों द्वारा प्रत्येक सायकल का तकनीकी परीक्षण किया जा रहा है। परीक्षण प्रक्रिया के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में विद्यालय स्तर पर पात्र अध्ययनरत स्कूली बालिकाओं को सायकलों का वितरण सुनिश्चित किया जाता है। इस पारदर्शी व्यवस्था से योजना की विश्वसनीयता बनी हुई है तथा हितग्राहियों में विश्वास और उत्साह देखा जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि जिले की अधिकांश शालाओं में सायकल वितरण की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। जहां वितरण शेष है, वहां भी कार्यवाही तेजी से प्रगति पर है। जैसे ही सायकलें तैयार होकर उपलब्ध होती हैं, वैसे ही पात्र छात्राओं को तत्काल वितरण किया जाता है। विभागीय अमले द्वारा इस बात का विशेष ध्यान रखा जा रहा है कि सभी पात्र छात्राओं को बिना किसी विलंब के सायकल प्राप्त हो। जिला शिक्षा अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि अब तक वितरण उपरांत किसी भी बालिका हितग्राही से सायकल की खराबी, गड़बड़ी या दोषपूर्ण कलपुर्जों की कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

बीजापुर में माओवादियों की बारुदी साजिश नाकाम, भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

बीजापुर । जिले के थाना पामेड़ क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले स्नह्नकाउरगुट्टा इलाके में सुरक्षा बलों ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। कोबरा 208 बटालियन द्वारा की गई सर्चिंग कार्रवाई के दौरान नक्सलियों का एक बड़ा डम्प बरामद किया गया। नक्सलियों ने यह विस्फोटक और अन्य सामग्री ग्राम कंचाल के जंगलों में गड्ढा खोदकर छिपा रखी थी, ताकि किसी बड़ी साजिश को अंजाम दिया जा सके। सुरक्षा बलों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से यह कोशिश समय रहते विफल कर दी गई।

बरामद डम्प से नक्सलियों की हिंसक गतिविधियों में इस्तेमाल होने वाले हथियार, विस्फोटक और रोजमर्रा की वस्तुएं मिली हैं। इनमें शामिल हैं ङ्क

विस्फोटक सामग्री : गन पाउडर, आरडीएक्स, बीजीएल सेल, बीजीएल राउंड, कार्डेक्स वायर, इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, नॉन-इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, पटाखे, तीर बम (इम्प्रोवाइज्ड), इम्प्रोवाइज्ड ग्रेनेड, क्रिस्टल शुगर।

हथियार व धातु उपकरण : रायफल बैनट, आयरन चिम्टा, आयरन रॉड, आयरन कटर।

बिजली और वायरिंग उपकरण : बैटरी, लिथियम बैटरी, सोलर इन्वर्टर, स्पूल वायर, कॉपर वायर।

स्टोरेज व धातु सामग्री : स्टील कंटेनर, प्लास्टिक ड्रम, स्टील पाईप, आयरन फाइल, स्टील प्लेट (बड़ा-छोटा), स्टील तार।

वर्दी और कपड़े : माओवादी वर्दी, कोबरा पैटर्न की कॉम्बैट ड्रेस, पिट्ठू, लाल और हरे कपड़े, वेलक्रो।

तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को मिली सफलता

कोबरा 208 बटालियन के जवानों ने जंगलों में गश्त के दौरान जब तलाशी अभियान चलाया, तो जमीन में गड्ढा खोदकर छिपाई गई यह सामग्री मिली।

बताया जा रहा है कि नक्सली इन विस्फोटकों और हथियारों का उपयोग सुरक्षाबलों पर बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए करने वाले थे। सुरक्षा बलों ने बरामद सभी सामग्री को कब्जे में ले लिया है और क्षेत्र में सघन सर्चिंग अभियान जारी है।

बस्तर के कारीगरों को मिल रहे हैं डिजिटल पंख

जगदलपुर । आयुक्त हस्तशिल्प एवं वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में बस्तर शिल्प हैंडीक्राफ्ट्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के सहयोग से छः दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन शहर के एक निजी होटल में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बस्तर के कारीगरों एवं उद्यमियों को आधुनिक व्यावसायिक तकनीकों से जोड़ना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सशक्त कदम बढ़ाना है। इस अवसर पर डिजिटल मार्केटिंग विशेषज्ञ राहुल कुमार पाण्डेय ने कारीगरों को डिजिटल माध्यमों से अपने शिल्प और उत्पादों को राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने के गुर सिखाए। उन्होंने उदाहरणों और प्रेरक अंदाज में बताया कि किस प्रकार डिजिटल मार्केटिंग किसी भी पारंपरिक व्यवसाय को स्थानीय से वैश्विक बना सकती है। उन्होने बताया कि बस्तर की कला और शिल्प केवल परंपरा ही नहीं, बल्कि भारत की पहचान भी है। यदि हमारे कारीगर डिजिटल साधनों का सही उपयोग करें, तो उनका हुनर दुनिया के हर कोने तक पहुँच सकता है।

मेरा संकल्प है कि यहाँ का हर कारीगर डिजिटल पंख लगाकर अपने व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक ले जाए। कारीगरों और प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत प्रेरणादायी और उपयोगी बताया। उनका कहना था कि ऐसे प्रशिक्षक ही वास्तव में बस्तर के कारीगरों को नई दिशा दे सकते हैं और ऐसे कार्यक्रम उनके जीवन और व्यवसाय में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले सिद्ध होंगे। यह कार्यक्रम न केवल स्थानीय कला एवं शिल्प को प्रोत्साहन दे रहा है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल भी है।

स्वच्छ भारत मिशन : एक राष्ट्रीय जागरण की शुरुआत

एजेंसी

बिलासपुर । महात्मा गांधी जी की जयंती 2 अक्टूबर 2014 के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा ÷स्वच्छ भारत मिशन÷ की शुरुआत की गई थी । यह केवल स्वच्छता अभियान नहीं था बल्कि राष्ट्रीय जागरण का एक शुभारंभ था, जिसने समाज की आदतों को सुधारने, सोच को नया स्वरूप देने और जन-जीवन में गरिमा को पुनः स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त किया । इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए ÷स्वच्छता ही सेवा÷ अभियान प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है । वर्ष 2025 में यह अभियान ÷स्वच्छोत्सव÷ की थीम के साथ 17 सितम्बर से आरंभ हुआ । रेल मंत्रालय के नेतृत्व में चलाए जा रहे इस अभियान के पाँच प्रमुख स्तंभ स्वच्छता लक्षित इकाइयों का रूपांतरण, सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता, सफाई मित्र सुरक्षा शिविर, ग्रीन-क्लीन उत्सव तथा स्वच्छता के लिए व्यापक जागरूकता आदि थे । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा इस अभियान को जनभागीदारी का स्वरूप देने के लिए कई उल्लेखनीय पहलें की गईं । सफाई मित्रों और अन्य कर्मियों को स्वच्छता किट वितरित की गई, कार्यालय परिसर के आसपास के घरों और ठेला/स्टालों पर विक्रेताओं को जागरूक किया गया तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के माध्यम से युवाओं को जोड़ने के लिए डिजिटल आउटरीच अभियान चलाया गया । महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नेतृत्व में ÷एक दिन, एक घंटा, एक साथ÷ पहल के अंतर्गत बिलासपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन पर श्रमदान का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी की । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में चिन्हित *4894* स्वच्छता लक्षित इकाइयों में से *3700* से अधिक का रूपांतरण किया जा चुका है, जिनसे गंदगी के ढेर और उपेक्षित स्थलों को स्वच्छ और उपयोगी क्षेत्रों में परिवर्तित किया गया । अभियान के दौरान कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ दर्ज की गईं । कुल 4835 कर्मचारियों और नागरिकों ने स्वच्छता शपथ ली, 14 जन-जागरूकता कार्यशालाएँ एवं 7 कार्यक्रम एनजीओ और सामाजिक संगठनों के सहयोग से आयोजित किए गए । 29 सफाई मित्र सुरक्षा शिविर एवं स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन हुआ और 473 कर्मियों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए । जनजागरण के लिए मैराथन, 4 साइक्लोथॉन और 10 वॉकाथॉन आयोजित किए गए । 7 खेल प्रतियोगिताएँ एवं 7 सांस्कृतिक उत्सवों के साथ-साथ 14 प्रतियोगिताएँ और 7 युवा जुड़ाव कार्यक्रम भी आयोजित हुए । स्वच्छ वातावरण को प्रोत्साहित करने हेतु 1341 पौधे लगाए गए और 18 आर.आर.आर. गतिविधियों के साथ 123 वेस्ट टू आर्ट प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए गए, जिनमें से कुछ उत्पाद बिक्री हेतु भी उपलब्ध कराए गए । इसके अतिरिक्त 440 घर-घर जागरूकता अभियान चलाए गए, 1115 लोगों ने श्रमदान में भाग लिया जबकि 25 सितम्बर 2025 को आयोजित विशेष श्रमदान में 2315 प्रतिभागी शामिल हुए । ÷स्वच्छ आहार÷ पहल के अंतर्गत 26

गतिविधियाँ आयोजित की गईं तथा ट्रेनों और स्टेशनों पर कीट एवं कृंतक नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाए गए । 21 सार्वजनिक शौचालयों और 18 बेस किचन, रेस्टोरेंट, फूड स्टॉल तथा पैंट्री कार की विशेष सफाई एवं उन्नयन किया गया । स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने स्वच्छता को केवल एक अभियान न मानकर सामूहिक संकल्प और जनआंदोलन का रूप दिया है । अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, सफाई मित्रों और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से यह संदेश स्पष्ट हुआ कि स्वच्छता ही सेवा है और इसे हम सभी को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाना होगा।

राजस्व विभाग द्वारा बकायादारों से वसूले गए नगद राशि

रायपुर, रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर रायपुर नगर निगम राजस्व विभाग द्वारा सभी 10 जोनों के अंतर्गत 70 वार्डों में चलाये जा रहे बकाया राजस्व वसूली अभियान के अंतर्गत आज रायपुर नगर निगम ज़ोन क्रमांक 10 के राजस्व विभाग की टीम द्वारा जोन 10 जोन कमिश्नर श्री विवेकानंद दुबे के नेतृत्व ओर जोन सहायक राजस्व अधिकारी श्री गौरीशंकर साहू, राजस्व निरीक्षक श्री नरेन्द्र सोनी सहित सभी राजस्व कर्मचारियों की उपस्थिति में नगर निगम ज़ोन 10 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 52,53,54 में बड़े बकायादारो को नोटिस,डिमांड बिल,अंतिम सूचना के बाद भी निगम को बकाया कर का भुगतान नही करने वाले कुल विभिन्न 8 व्यसायिक परिसरों में सीलबंदी की कार्यवाही की गई जिन पर कुल 3591381 रूपये की बकाया राशि देय थी। सीलबंद कार्यवाही के दौरान उक्त 8 में से 3 बड़े बकायादारों द्वारा स्थल पर ही नगर निगम जोन 10 राजस्व विभाग की टीम को 180000 रूपये की नगद राशि का बकाया राशि भुगतान कर दी गयी।

आईटीआई बस्तर में सेवा पखवाड़ा के तहत चलाया गया स्वच्छता अभियान

जगदलपुर,। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बस्तर में सेवा पखवाड़ा अभियान 2025 के तहत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के परिसर में गत दिवस स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस बारे में संस्था के प्राचार्य डॉ एके मण्डले ने बताया कि स्वच्छता अभियान के दौरान संस्था के परिसर एवं परिसर के आस-पास साफसफाई किया गया। साथ ही एक पेड़ ष्माँ' के नाम पर वृक्षारोपण किया गया। वहीं जनजागरूकता के लिए प्लास्टिक मुक्त, जल संरक्षण और व्यक्तिगत त स्वच्छता पर रैलियां निकाली गई। इस दौरान स्लोग्न और पोस्टर के माध्यम से स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर संस्था के समस्त प्रशिक्षण अधिकारी सहित अन्य कर्मचारी एवं प्रशिक्षणार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)